तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 36 अंक 311 | कोरबा, मंगलवार , दिनांक 12 अगस्त 2025 डाक 13 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

अखिलेश यादव और अन्य लोग नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान कथित चुनाव धोखाधड़ी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करते हुए

देश-विदेश

कमी कानून में नहीं, एजेंसी के दुरुपयोग में, ईडी जांच मामले में भूपेश बघेल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

फीचर पेज

टीवी देखते-देखते करें ये एक्सरसाइज, रहेंगे फिट

सीएम रेखा गुप्ता ने स्वतंत्रता दिवस से पहले हर घर तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

दिल्ली के भारत मंडपम से मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हर घर तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाई गई। इस रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तिरंगा को घर लाने और उसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। सीएम रेखा गुप्ता के साथ संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समेत कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, भारत मां की जय के नारों के साथ, हाथों में तिरंगा लिए हजारों बाइक आज निकल पड़े। पूरा वातावरण भारत माता के जयकारों से गूंज उठा। उन्होंने आगे कहा, आज सांसदों से लेकर हमारे वीर जवानों तक, हर कोई अपनी देशभक्ति का इजहार कर रहा है। आजादी के इतने सालों बाद भी, देश के प्रति हमारा प्यार हर गुजरते साल के साथ बढ़ता ही जा रहा है। मैं इस राष्ट्रीय पर्व को घर-घर तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करती हूं। उन्होंने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं भी दीं।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 2014 से पहले क्या किसी ने इस तरह स्वतंत्रता दिवस मनाते देखा था। क्या किसी ने किसी प्रधानमंत्री को तिरंगा लेकर भारत माता की जय कहते देखा था। संविधान का दिखावा करने वाले लोग इसे हर जगह ले जाकर कभी भारत माता की जय नहीं कहेंगे। इससे पहले, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंत्री आशीष सूद के साथ विधानसभा से राजघाट तक लड़कियों के लिए तिरंगा साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाई।

कश्मीरी पंडितों के नरसंहार का केस

1990 के सरला भट्ट हत्याकांड में एसआईए की छापेमारी, यासिन मलिक के घर भी दबिश

श्रीनगर, 12 अगस्त [एजेंसी]।

जम्मू कश्मीर में राज्य जांच एजेंसी ने 1990 में कश्मीरी पंडित महिला सरला भट्ट हत्याकांड में मंगलवार को कई जगहों पर छापा मारा है। ये हत्याकांड 35 साल पहले हुआ था। जांच टीम ने यासिन मलिक के घर पर भी रेड की है। एसआईए की टीम मध्य कश्मीर पहुंची है। राज्य जांच एजेंसी 35 साल पहले हुई एक कश्मीरी पंडित महिला की हत्या की जांच के लिए पहुंची है।

मध्य कश्मीर में कई जगहों पर छापे मारी चल रही है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि सरला भट्ट की हत्या के सिलसिले में प्रतिबंधित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट से जुड़े कई लोगों के घरों पर रेड मारी है। सरला भट्ट का शव श्रीनगर शहर में मिला था, जो अप्रैल 1990 में सौरा स्थित शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अपने छात्रावास से लापता हुई थी। जेकेएलएफ के पूर्व नेता पीर नूरुल हक शाह उर्फ एयर मार्शल उन लोगों में शामिल थे। जिनके घरों की तलाशी एजेंसी के अधिकारियों ने ली। बता दें कि एजेंसी ने हाल ही में इस मामले की जांच अपने हाथों में ली थी।

गोल्ड पर नहीं लगेगा टैरिफ..., भारत और रूस से तल्खी के बीच ट्रंप ने दी गुड न्यूज

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते भारत और ब्राजील समेत कई देशों पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का फरमान सुनाया था। ट्रंप के आदेश के बाद से ही सोने के आयात पर सस्पेंस बना था। वहीं, ट्रंप ने साफ कर दिया है कि गोल्ड को टैरिफ वॉर से बाहर रखा जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि सोने पर टैरिफ नहीं लगेगा। पिछले एक हफ्ते से कयास लगाए जा रहे थे कि सोने पर टैरिफ लगेगा या नहीं। कस्टम और सीमा सुरक्षा विभाग ने भी सोने पर भारी टैरिफ लगने का अंदेशा जताया था। सोने पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगने की अफवाहों से इसकी कीमतों में भारी उछाल देखने को मिल रहा था। ट्रंप ने खुद पोस्ट शेयर करते हुए सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, सोने पर टैरिफ नहीं लगेगा। ट्रंप ने इससे ज्यादा अन्य कोई भी जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप की इस पोस्ट के बाद अब सोने की कीमतों में कमी आ सकती है।

बीजापुर में 2 जवान घायल, गंगालूर जंगल में मुठभेड़ जारी

बीजापुर। जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में दो जवान जख्मी हो गए हैं, जिन्हें एयर लिफ्ट कर रायपुर रेफर किया गया है। फिलहाल दोनों जवानों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। मामला गंगालूर थाना क्षेत्र का है। पुलिस अफसरों ने बताया कि दोनों तरफ से रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। नक्सलियों को भी नुकसान होने की संभावना है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गंगालूर इलाके में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर 11 अगस्त (सोमवार) को जवानों को सर्च ऑपरेशन पर निकाला गया था। वहीं आज सुबह जब जवान जंगल में पहुंचे तो नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों के गोलियों का जवाब दिया। हालांकि, दोनों तरफ से हुई इस गोलाबारी में 2 जवान घायल जो गए है। जिन्हें साथियों ने मौके से बाहर निकाला। बीजापुर में प्राथमिक उपचार करने के बाद एयर लिफ्ट कर दोनों को रायपुर रेफर किया गया है। फोर्स अब भी मौके पर ही मौजूद है। दोनों तरफ से गोलीबारी जारी है। अफसरों का दावा है कि मुठभेड़ में नक्सलियों को भी भारी नुकसान हुआ है।

कार्गो विमान के इंजन में लगी आग पायलट की सूझबूझ से हुई सुरक्षित लैंडिंग

नई दिल्ली। चेन्नई में मंगलवार को एक कार्गो विमान के इंजन में अचानक आग गई। पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को सुरक्षित लैंड करा लिया। विमान के उतरने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। विमान मलेशिया के कुलालुंपुर शहर से आ रहा था। लैंडिंग के दौरान कार्गो विमान के चौथे इंजन में आग लग गई, जिसके बाद पायलटों ने संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी।

फार्मेसी चौथे सेमेस्टर का पेपर लीक, परीक्षा स्थगित

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय 18 अगस्त को फार्मेसी चौथे सेमेस्टर के फार्माकोलॉजी-1 कराने वाला था, लेकिन परीक्षा के सात दिन पहले सोमवार को पेपर लीक हो गया। इसकी वजह से अब सीएसवीटीयू ने यह परीक्षा स्थगित कर दी है। सीएसवीटीयू के कुलसचिव डॉ. अंकित अरोरा पेपर लीक होने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। दरअसल, परीक्षा केंद्र एमजे कॉलेज ऑफ फार्मेसी ने 18 अगस्त को होने वाली इस परीक्षा के प्रश्नपत्र का पैकेट 11 अगस्त को ही खोल दिया। एमजे कॉलेज द्वारा यह लापरवाही तब बरती गई, जब प्रश्नपत्र के पैकेट पर बड़े अक्षरों में परीक्षा की तिथि के साथ-साथ प्रश्नपत्र का नाम भी अंकित था। प्रश्नपत्र के पैकेट को खोलने से पहले तीन लोगों के हस्ताक्षर बतौर गवाह लिए जाते हैं, लेकिन इन तीनों ने भी बिना देखे प्रश्नपत्र का पैकेट खोलने हस्ताक्षर कर दिए। इसमें एमजे कॉलेज के प्रोफेसर भी शामिल रहे।

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राज्यसभा में नोटिस ऑफ मोशन दिया

दिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राज्यसभा में चुनावी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए नियम 267 के तहत नियम निलंबन का नोटिस दिया। सुरजेवाला ने राज्यसभा के महासचिव को लिखे पत्र में कहा है कि वे 12 अगस्त को सदन में निर्धारित शून्यकाल, प्रश्नकाल और दिन के अन्य कार्यों को स्थगित कर केवल इस मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं। अपने नोटिस में सुरजेवाला ने कहा, सदन को चुनावी प्रक्रियाओं की अखंडता को लेकर गंभीर चिंताओं पर विचार करना चाहिए। खासतौर पर, बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों, पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया के लागू की जा रही व्यवस्थाओं के कारण पहले से ही हाशिए पर खड़े समुदायों को मतदाता सूची से बाहर करने की घटनाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह मुद्दा केवल तकनीकी नहीं बल्कि लोकतंत्र की बुनियाद से जुड़ा सवाल है और यदि समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं हुई तो इससे देश में चुनावी व्यवस्था पर जनता का भरोसा डगमगा सकता है।

नियम 267, राज्यसभा के कार्य संचालन के नियमों के तहत, किसी भी सांसद को यह अधिकार देता है कि वह सदन की मौजूदा कार्यसूची को स्थगित कर किसी तात्कालिक और महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की मांग कर सके। सुरजेवाला का यह कदम विपक्ष की उस व्यापक चिंता का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें हाल के दिनों में मतदाता सूची में अनियमितताओं, नाम कटने और संवेदनशील वर्गों के अधिकारों पर खतरे के मुद्दे उठाए गए हैं।

भारत-सिंगापुर के बीच तीसरी मंत्रिस्तरीय वार्ता 13 अगस्त को दिल्ली में होगी

नई दिल्ली। भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय वार्ता (आईएसएमआर) का तीसरा दौर बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देना और उन्हें मजबूत बनाना है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मंत्रिस्तरीय इस वार्ता में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे। सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप प्रधानमंत्री और व्यापार व उद्योग मंत्री गान किम योंग करेंगे। सिंगापुर से भाग लेने वाले अन्य मंत्रियों में राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वय मंत्री व गृह मंत्री के. षणमुगम, विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन, डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री जोसेफिन तेओ, जनशक्ति मंत्री तान सी लेंग और कार्यवाहक परिवहन मंत्री जेफरी सिओ भी मौजूद रहेंगे।

बॉर्डर पर बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई, 7 करोड़ की हेरोइन बरामद

जोधपुर, 12 अगस्त ।

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नशे की तस्करी की एक और कोशिश को बीएसएफ ने नाकाम कर दिया है। सोमवार को देर रात जोधपुर के खजुआना इलाके में बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन के जरिए भेजी गई 1.6 किलोग्राम हेरोइन बरामद की, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 7 करोड़ रुपए से अधिक आंकी जा रही है। बीएसएफ आईजी मदनलाल गर्ग ने जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि यह खेप कल रात करीब 1.30 बजे पड़ोसी मुल्क से ड्रोन के माध्यम से सीमा से लगभग ढाई किलोमीटर भीतर गिराई गई थी।

अलर्ट बीएसएफ जवानों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर इस पैकेट को कब्जे में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। आईजी गर्ग ने बताया कि पाकिस्तान से ड्रग्स की सप्लाई एक गंभीर समस्या बन चुकी है, खासकर पंजाब, राजस्थान के गंगानगर और बीकानेर क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं ज्यादा होती हैं।

उन्होंने कहा कि पड़ोसी मुल्क लगातार ड्रग्स की खेप भेजने की कोशिश करता है, लेकिन हमारे जवान हर बार उन्हें नाकाम कर देते हैं। इसके अलावा, बीएसएफ के पास एंटी-ड्रोन सिस्टम भी मौजूद है, जिससे कई बार ड्रोन को गिरा दिया जाता है। जहां ड्रोन नहीं गिर पाता और हेरोइन नीचे गिर जाती है, वहां भी जवान त्वरित कार्रवाई कर उसे जब्त कर लेते हैं।

चैतन्य बघेल को राहत नहीं, हाईकोर्ट ने सुनवाई टाली

बिलासपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल द्वारा ईडी की गिरफ्तारी को लेकर दायर याचिका पर आज हाईकोर्ट में जस्टिस अरविंद वर्मा के सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। ईडी की ओर से जवाब देने के लिए समय मांगा गया, जिसके बाद अगले दो हफ्तों के लिए सुनवाई टल गई। ईडी ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 18 जुलाई को भिलाई 3 स्थित बघेल निवास से चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन के दिन ही गिरफ्तार किया था। चैतन्य बघेल ने गिरफ्तारी के खिलाफ पहले सुप्रीम कोर्ट गए थे, जहां से मिले निर्देश के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले में आरोपी बनाए गए हैं। ईडी के अनुसार, 2019-22 के बीच राज्य में 2100 करोड़ का घोटाला हुआ था। इसका पूरा पैसा चैतन्य ने ही मैनेज किया।

झारखंड में मुख्य सचिव और डीजीपी को विशेषाधिकार हनन का नोटिस, गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने दी जानकारी

रांची/देवघर। गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी पर बाबा मंदिर थाना में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद, सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर इसे विशेषाधिकार हनन का मामला बताया था। सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने बताया कि मामले में मुख्य सचिव, डीजीपी, देवघर के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को विशेषाधिकार हनन का नोटिस भेजा गया है। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में कहा कि यह मामला उनके विचाराधीन आ गया है। उन्होंने पूरे मामले की रिपोर्ट गृह मंत्रालय से भी मांगी है। सांसद ने इस पूरे मामले को घोर असंवैधानिक कार्य बताते हुए विशेषाधिकार हनन का मामला बताया था। उन्होंने प्रोटोकॉल मानदंडों का भी उल्लंघन बताया था। सांसद डॉ. दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया था कि झारखंड सरकार के मुख्य सचिव, झारखंड के पुलिस महानिदेशक, देवघर के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी अनुरोध किया था कि इस बात की जांच का आदेश दिया जाए कि हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनने के बाद से उनके विरुद्ध कितनी प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पंडा धर्मरक्षिणी सभा के पूर्व महामंत्री कार्तिक नाथ ठाकुर के बयान पर गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी एवं अन्य पर निकास द्वार से मंदिर में प्रवेश करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

उत्तराखंड में भारी बारिश का कहर, कई जिलों में रेड अलर्ट, चार धाम यात्रा बाधित

देहरादून। उत्तराखंड में भारी बारिश का सिलसिला जारी है। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में मूसलधार बारिश हो रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया है। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई हैं, जबकि मैदानी क्षेत्रों में नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। पिछले 24 घंटे में देहरादून में लगभग 200 मिमी वर्षा हुई, जो 1951 के बाद अगस्त में एक दिन में हुई सर्वाधिक वर्षा है।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिन में मौसम के तल्ख तेवर बने रहने की चेतावनी दी है। इस बीच हरिद्वार, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आज यानी मंगलवार को तीन जिलों में अत्यंत भारी बारिश का रेड अलर्ट है। इसके अलावा देहरादून समेत पांच अन्य जिलों में भारी वर्षा का आरेंज अलर्ट जारी किया है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

पाकिस्तानी सेना ने 50 विद्रोहियों को मार गिराया अफगानिस्तान बॉर्डर पर 4 दिनों से जारी है ऑपरेशन

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

पाकिस्तान सेना ने अफगानिस्तान बॉर्डर पर जारी ऑपरेशन में 50 विद्रोहियों को मार गिराया है। पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार, 12 अगस्त को बताया कि उसने पड़ोसी देश अफगानिस्तान से लगी सीमा पर बीते चार दिनों में 50 उग्रवादियों को मार गिराया है।

पाकिस्तानी सेना ने यह कार्रवाई अशांत दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में की गई है, जो चीन की परियोजना वन बेल्ट वन रोड का प्रमुख केंद्र है। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ये सभी उग्रवादी गुरुवार को बलूचिस्तान में शुरू हुए एक अभियान में मारे गए हैं। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, बलूचिस्तान में उग्रवादी और अलगाववादी विद्रोही, दोनों ही सक्रिय हैं, जो प्रांत की खनिज संपदा में से एक बड़े हिस्से की मांग कर रहे हैं। आईएसपीआर की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मारे गए विद्रोहियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा, सुरक्षा बल देश की सीमाओं की सुरक्षा और पाकिस्तान की शांति, स्थिरता और प्रगति में बाधा डालने के कोशिश को विफल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, सेना का कहना है कि हालिया घुसपैठ का प्रयास बलूचिस्तान प्रांत में हुआ, जो बलूच अलगाववादियों द्वारा लंबे समय से चल रहे विद्रोह की जगह है।

डॉक्टर के बेटे को ट्रक ने कुचला, स्पॉट पर मौत

बिलासपुर। शहर में सोमवार रात प्रेस क्लब अध्यक्ष इरशाद अली के भतीजे और सहारा डेंटल के संचालक डॉ. इकबाल अली के ढाई वर्षीय बेटे फ़ैज़ान अली टीपू की तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मौत हो गई। रात करीब 9 बजे लाल खदान चौक स्थित घर के बाहर फ़ज़्ज़ान अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। तभी महमंद बाईपास की ओर से आ रहा तेज रफ्तार हाईवा ट्रक सीधे बच्चों के करीब पहुंचा और फ़ज़्ज़ान को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल मासूम को परिजन तत्काल एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आज लाल खदान स्थित कब्रिस्तान में जनाजे की नमाज़ के बाद सुपुर्द-ए-ख़ाक किया जा रहा है। हादसे के बाद तोरवा पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है।

कोरबा मेडिकल कॉलेज को किया गया पहला नेत्रदान

भारत विकास परिषद का प्रयास लाने लगा रंग

कोरबा। नेत्रदान देहदान महायज्ञ की शुरुआत कोरबा में भी हो गई। पड़ोसी जिले के एक परिवार ने अपने घर के मुखिया की इच्छा के अनुसार उनके मरणोपरांत आंखें दान कर दी। मेडिकल कॉलेज कोरबा की टीम मृतक के घर पहुंची और आंख से कॉर्निया निकालकर उसे कोरबा होते हुए ट्रांसप्लांट के लिए सिम्स भेज दिया। इस सफल शुरुआत से मेडिकल टीम और भारत विकास परिषद कोरबा के लोग अत्यंत गर्वित और उत्साहित हैं । मेडिकल कॉलेज कोरबा के चिकित्सालय का प्रबंधकीय विभाग काफी खुशनुमा माहौल में परिवर्तित हुआ दिखा। कारण था कोरबा में भी नेत्रदान का शुभारंभ ।कोरबा की मेडिकल टीम ने सूचना मिलने पर पड़ोसी जिले जांजगीर के ग्राम पचौली जाकर नेत्रदान का संकल्प लेने वाले पिला दाऊ सतनामी की मौत के पश्चात उनकी आंख से कॉर्निया निकालकर उसे सफलतापूर्वक कोरबा लाकर एमके मीडिया में रखकर सिम्स भेज दिया, जहां इसका प्रत्यारोपण कर किसी को दृष्टि प्रदान की जाएगी। कॉर्निया रिट्रीवल के लिए कोरबा से जांजगीर गई मेडिकल टीम का नेतृत्व करने वाली डॉक्टर मणि किरण कुजूर ने बताया की रात लगभग 1 बजे उन लोगों ने अपना काम सफलतापूर्वक संपन्न किया ।

मेडिकल कॉलेज कोरबा के डीन डॉक्टर के के सहारे ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया की कोरबा भी अब उन शहरों में शामिल हो गया है जहां नेत्रदान करने की सुविधा मौजूद है ।डीन डॉक्टर सहारे ने अपनी उस नेत्र रोग विशेषज्ञ मेडिकल टीम के प्रयास की सराहना की जिसने रात में ही जांजगीर जाकर अपना धर्म निभाया । भारत विकास परिषद के उन पदाधिकारीयो और सदस्यों के खुशी का ठिकाना नहीं है जो पिछले दो वर्ष से कोरबा में भी नेत्रदान देहदान के लिए वातावरण का निर्माण कराने और वैधानिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रयासरत रहे हैं। भारत विकास परिषद के नेत्रदान देहदान प्रकल्प प्रभारी महेश गुप्ता ने मेडिकल और परिषद की टीम को बधाई दी। महेश गुप्ता ने बताया कि भारत विकास परिषद द्वारा जो लोग नेत्रदान देहदान करते हैं। उनके परिजनों को सरकार सम्मानित करें ऐसा भी प्रयास किया जा रहा है ।उम्मीद है कि इसमें भी शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने भारत विकास परिषद की ओर से आह्वान किया है की आइए हम सब इस परोपकारी कार्य में अपनी भी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संकल्प पत्र भरकर एक दूसरे को प्रेरणा प्रदान करें। इस अवसर पर भारत विकास परिषद को हमेशा सहयोग प्रदान करने वाले डॉक्टर जाटवर , भारत विकास परिषद के अध्यक्ष कमलेश यादव सचिव कन्हैया लाल सोनी, पूर्व अध्यक्ष मोहन लाल अग्रवाल, सक्रिय सदस्य धर्मेंद्र कुमार कुदेशिया, प्रमोद पांडे भी उपस्थित रहे।

नेत्रदान करने वाले व्यक्ति के परिवार को किया गया सम्मानित।

युक्तियुक्तकरण से विद्यार्थियों की हो रही नियमित पढ़ाई

कोरबा । वनांचल क्षेत्र कोरकोमा का मिडिल स्कूल सिर्फ एक मिडिल स्कूल ही नहीं है, यह कोरकोमा से लेकर आसपास के दर्जनों गांवों में रहने वाले लोगों के सैकड़ो बच्चों का भविष्य भी है। कई किलोमीटर दूर से आने वाले विद्यार्थियों को यहाँ मुफ्त किताबे, मध्यान्ह भोजन तो मिलता था लेकिन विगत कई साल से दर्ज विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर पर्याप्त शिक्षक नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड़ता था। हालांकि अन्य शिक्षक विद्यार्थियों को पढ़ाते थे, लेकिन शिक्षक की कमी की वजह से अन्य शिक्षकों को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दिशा निर्देशन में जब रिक्त पदों की जानकारी एकत्रित कर युक्ति युक्तकरण से अतिशेष शिक्षको की पदस्थापना की गई तो कोरकोमा मिडिल स्कूल में अध्ययन करने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों के भाग खुल गए। युक्ति युक्तकरण से यहाँ दो शिक्षिकाओं की नियुक्ति से अब कोई भी कालखण्ड खाली नहीं जाता, क्लास में विद्यार्थी नियमित पढाई कर पाते हैं।कोरबा विकासखंड अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोरकोमा में कुल 319 विद्यार्थी अध्ययनरत है। प्रधानपाठक श्री गोपाल प्रसाद साव ने बताया कि दर्ज संख्या के अनुसार यहाँ दो शिक्षको की कमी थी। शासन के युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया के उपरांत दो शिक्षकों की पदस्थापना विद्यालय में हुई है। युक्ति युक्तकरण से विद्यालय में पदस्थ हुई शिक्षिका श्रीमती रामेश्वरी रत्नाकर और श्रीमती पद्मा निषाद ने बताया कि अन्य विद्यालय से आने के बाद नए स्कूल में क्लास लेना प्रारम्भ कर दिया गया है।

सप्तदेव मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की भव्य तैयारी

कोरबा। छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक और धार्मिक मानचित्र पर विशेष पहचान रखने वाला सप्तदेव मंदिर इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के भव्य आयोजन के लिए सज-धज कर तैयार हो चुका है। यह मंदिर न केवल कोरबा बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्यों में अपनी अद्वितीय भव्यता, मनमोहक सजावट और आध्यात्मिक माहौल के लिए प्रसिद्ध है। जन्माष्टमी के दौरान यहां का वातावरण मथुरा और वृंदावन के उत्सव जैसा होता है, जिसमें भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक रंग एक साथ दिखाई देते हैं।मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख अशोक मोदी के अनुसार, सन् 1994 में मंदिर स्थापना के समय पहली बार आयोजित जन्माष्टमी महोत्सव में करीब 5 हजार श्रद्धालु उपस्थित हुए थे। उस समय मंदिर परिसर में एक साधारण मंच, फूलों की हल्की सजावट और सीमित व्यवस्थाएं थीं, लेकिन श्रद्धालुओं का उत्साह असीम था।2000 के दशक में पहली बार विद्युत सजावट और बाल लीलाओं की झांकियों की शुरुआत हुई।2010 में पहली बार मंचीय भजन संध्या और सांस्कृतिक नृत्य-नाटिका जोड़ी गई।2015 में श्रद्धालुओं की संख्या 25 हजार के पार पहुंची।2024 में यह रिकॉर्ड तोड़ते हुए 50 हजार से अधिक भक्त पहुंचे, जिससे श्री सप्तदेव मंदिर का नाम प्रदेश में सबसे बड़े जन्माष्टमी आयोजनों में शामिल हो गया।इस वर्ष की विशेष तैयारियां2025 के इस आयोजन को और भव्य बनाने के लिए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में बड़े-बड़े पंडालों की सजावट की जा रही है। हर पंडाल में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित आकर्षक और जीवंत झांकियां प्रदर्शित होंगी—जैसे माखन चोरी, कालिया नाग दमन, गोवर्धन पर्वत धारण और गोपियों संग रासलीला। इन झांकियों के निर्माण में कलाकारों ने महीनों मेहनत की है, जो हर उम्र के भक्तों के लिए विशेष आकर्षण रहेंगी।मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं और बच्चों की सहभागिता को और रोचक बनाने के लिए विशेष प्रतियोगिताएं तय की हैं—इनमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे। निर्णायक की भूमिका मंदिर महिला मंडल की सदस्याएं निभाएंगी।मुख्य आयोजन और आध्यात्मिक क्षण मुख्य उत्सव दिवस 16 अगस्त को शाम 4 बजे से रात 1 बजे तक भक्तजन झांकियों के दर्शन करेंगे। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्म विधि-विधान से संपन्न होगा। जन्म की घड़ी में मंदिर परिसर भजनों की मधुर ध्वनियों, शंख-घंटियों की गूंज और आतिशबाजी की जगमगाहट से भर उठेगा।मंदिर ट्रस्ट ने भक्तों से अपील की है कि वे अपने परिवार और मित्रों के साथ आकर इस वर्ष के श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में सम्मिलित हों, झांकियों और प्रतियोगिताओं का आनंद लें और इस पावन अवसर पर आध्यात्मिक आनंद के साथ पुण्य लाभ प्राप्त करें।

छत पर सजे सूरज के घर से चमका जीवन बचत की खुशी, पर्यावरण की रोशनी’

कोरबा । पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अब कोरबा जिले के हर मोहल्ले और बस्ती तक पहुँच रहा है। इस योजना ने न केवल लोगों के बिजली बिलों में भारी बचत कराई है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण में भी अहम योगदान दिया है। कोरबा जिले के नगरीय क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दादर खुर्द निवासी श्री शंकर पुरी जिन्होंने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा का 'सूर्यघर' स्थापित कर जीवन में नई ऊर्जा भर दी है।श्री शंकर पुरी, जो अपने परिवार के साथ हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रह रहे हैं, हमेशा से बिजली बिल के खर्च और बिजली चले जाने की समस्या से चिंतित थे। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने बिना देर किए योजना का लाभ उठाने का निर्णय लिया। योजना के तहत उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित किया।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि लाभार्थियों को केंद्र सरकार की ओर से सीधा अनुदान (सब्सिडी) प्रदान किया जाता है, जिससे प्रारंभिक निवेश का बोझ काफी कम हो जाता है। श्री शंकर पुरी को भी इस योजना के अंतर्गत रूपये 78 हजार की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। इससे उन्हें सोलर पैनल स्थापना के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा कवर करने में मदद मिली। सोलर पैनल लगने के बाद से श्री पुरी को हर महीने बिजली बिल में बचत हो रही है। उनका कहना है कि यह बचत साल भर में एक बड़ी राशि बन जाती है, जिसे वे परिवार की अन्य आवश्यकताओं और बच्चों पर खर्च कर पा रहे हैं। साथ ही, यह प्रणाली पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है। सौर ऊर्जा के उपयोग से सालाना लगभग 3.5 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है, जो वातावरण को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। श्री पुरी बताते हैं कि उन्हें यह जानकर गर्व होता है कि उनका छोटा-सा प्रयास भी जलवायु परिवर्तन से लड़ने के वैश्विक प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने बताया योजना की प्रक्रिया बेहद पारदर्शी और सरल थी।अपने अनुभव को साझा करते हुए श्री पुरी ने योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा - मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूँ कि वे प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ अवश्य लें। इससे न केवल आर्थिक बचत होती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण भी सुनिश्चित होता है। प्रारंभिक लागत को लेकर डरने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी और लंबी अवधि की बचत इसे एक लाभकारी निवेश बनाती है।

विश्व आदिवासी दिवस पर पाली में निकाली रैली

शराबबंदी की मांग पर थाना के बाहर नारेबाजी

कोरबा । कोरबा जिले के ग्राम पाली में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज ने अपनी एकजुटता का ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। पाली में आयोजित कार्यक्रम में सुबह से ही पारंपरिक वेशभूषा और झंडों के साथ समाज के लोग पहुंचने लगे।

इस अवसर पर आदिवासी समाज के विभिन्न संगठन, युवा मंडल, महिला मंडल और सांस्कृतिक दल भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान एक विशाल रैली निकाली गई। रैली में आदिवासी समाज के लोग ढोल-मांदर की थाप पर पारंपरिक नृत्य करते हुए आगे बढ़े। रैली के दौरान आदिवासी समाज ने शराबबंदी की मांग को लेकर नारे लगाए। हजारों की संख्या में लोग पाली थाना के बाहर पहुंचे और शराब भट्ठी को बंद करने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई और जाम की स्थिति बन गई।

पाली पुलिस मौके पर मौजूद रही और लोगों को समझाने का प्रयास किया। समाज के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि आदिवासियों की परंपरा, संस्कृति और जीवनशैली को संरक्षित करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

विधायक तुलेश्वर मरकाम ने बताया कि विश्व आदिवासी दिवस हर साल 9 अगस्त को दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने की थी। उन्होंने यह भी कहा कि जन जागरूकता के अभाव में आज भी आदिवासियों के साथ अत्याचार हो रहा है। श्री मरकाम के अनुसार समाज अब अपने अधिकारों के लिए सामने आ रहा है। लोग जागरूक हो रहे हैं और आने वाले दिनों में समाज एक बड़ा रूप लेगा और अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ेगा।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम हुआ आयोजित

कोरबा । कोरबा जिले में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। उक्त कार्यक्रम में रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक फूलसिंह राठिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वे मांदर की थाप पर थिरकते हुए दिखे और अभ्यागतों का पैर धोकर, पीला गमछा से पगड़ी बांधकर व पीले चांवल का तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। उक्त कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति की रक्षा और जल जंगल जमीन की रक्षा करने अपील की गई। विधायक फूल सिंह राठिया ने करमा नृत्य समूह को 5000-5000 रुपये नगद राशि प्रदान कर प्रोत्साहित किया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को 1000-1000 रुपये की नगद राशि देकर उनका उत्साह वर्धन किया।

कार्यक्रम अंतर्गत युवाओं द्वारा मोटर साइकिल से स्वाभिमान रैली निकाली गयी, जो लगभग 3 किमी लंबी थी और 50 किमी की दूरी तय कर करतला के बस स्टैंड पर समाप्त हुई। साथ ही आदिवासी परंपरानुसार पूर्वजों को याद करते हुए पूजा-अर्चना की गई और अभ्यागतों का पैर धोकर, पीला पगड़ी और पीले चावल से तिलक लगाकर स्वागत किया गया। आयोजित कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं के लिए फुगड़ी, पतरी सिलाई और कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अइरसा रोटी, घोरिया रोटी, थोपोर्री रोटी और गुरहा भजिया जैसे पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी आयोजित की गई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक ने वित्तीय समावेशन शिविर का किया अवलोकन

कोरबा । भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के निर्देशों के अनुसार, 01 जुलाई, 2025 से 30 सितंबर, 2025 तक ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय समावेशन योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है। जिसमे जिला प्रशासन के सहयोग से बैंकों द्वारा जिले के सभी 412 ग्राम पंचायतों में कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप में जनधन एवं सभी निष्क्रिय खातों में केवायसी, जनधन खाता खोलना, सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाईए पीएमजेजेबीवाई), अटल पेंशन योजना का कार्य किया जाना है।गौरतलब है कि वित्तीय सेवा विभाग भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार बैंक खाते का पुनः केवाईसी समय-समय पर किया जाता है जिससे खाताधारक सुचारु रूप से अपने खाते का संचालन जारी रख सकें।इसी तारतम्य में शुक्रवार 08 अगस्त को कोरबा जिले के पाली ब्लॉक के बुड़बुड़ ग्राम पंचायत में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक अग्रणी बैंक कार्यालय द्वारा किया गया जिसमे क्षेत्र के सभी बैंक भारतीय स्टेट बैंक पाली, बैंक ऑफ़ बड़ौदा पाली, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक पाली, यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया चैतमा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक पाली ने भाग लिया। भारतीय रिज़र्व बैंक, रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक श्री मनीष पाराशर ने इस शिविर का दौरा किया और अभियान के प्रगति की समीक्षा की। उन्होने बैंक अधिकारियों एवं लाभार्थियों से संवाद कर वित्तीय समावेशन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। शिविर में भारतीय रिज़र्व बैंक, एकीकृत लोकपाल योजना 2021, निष्क्रिय खाते, डिजिटल धोखाधड़ी, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं शासकीय ऋण योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर में सी. ई. ओ. जनपद पंचायत पाली श्री भूपेंद्र कुमार सोनवानी, भारतीय स्टेट बैंक के आर.एम श्री आदर्श श्रीवास्तव, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के आर एम श्री सुबोध कुमार लाल, छ ग राज्य ग्रामीण बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक श्री उत्तम कुमार नवरंगे, जिला पंचायत के जिला स्तरीय डीपीएम एनआरएलएम एवं सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं स्टाफ उपस्थित थे ।

अग्रणी जिला प्रबन्धक से प्राप्त सूचना के अनुसार इस शिविर के दौरान 60 जनधन खातों की पुनः केवाईसी की गई साथ ही 10 नए जनधन खाते, 10 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, 10 जीवन ज्योति बीमा योजना के खाते खोले गए।कार्यक्रम की सफलता में सरपंच, सचिव, सक्रिय महिला एफएलसीआरपी एवम् बैंकों के ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक, सीएफएल समर्पित की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन अग्रणी जिला प्रबंधक श्री कृष्ण भगत ने क्षेत्र के सभी जनधन खाता धारियों से अपने निष्क्रिय खातों का पुनः केवायसी करने का अनुरोध करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया ।

स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन 14 को

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशानुसार प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग जिला कोरबा द्वारा 14 अगस्त को स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन प्रातः 08 बजे सी.एस.ई.बी.फुटबॉल मैदान से प्रारंभ होकर सी.एस.ई.बी. चौक से बांए मुड़ते हुए टी.पी.नगर चौक से दांए मुड़ते हुए पुनःवापस सी.एस. ई.बी .फुटबॉल मैदान में समापन किया जायेगा। स्वतंत्रता दौड़ में जिले के सभी प्रबुद्धजन, समस्त विभाग के अधिकारी / कर्मचारी स्कूल,कालेज के छात्र / छात्राएं, एन. सी. सी कैडेटस, एन. एस. एस समस्त खेल संघों के पदाधिकारी /खिलाड़ी, स्काउट गाईड ,नेहरु युवा केन्द्र के सदस्य, गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है।खेल अधिकारी ने समस्त विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी, समस्त स्कूल/ कालेज के छात्र/छात्राएं, समस्त खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी, एन.सी.सी. कैडेटस, एन.एस.एस. के छात्र/ छात्राएं, स्काउट गाईड तथा नेहरु युवा केन्द्र के सदस्य प्रातः 7.00 बजे तक घण्टाघर चौक में उपस्थित होकर इस आयोजन में एकजुटता सहिष्णुता व देशभक्ति का परिचय देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने आग्रह किया है।

छत्तीसगढ़ की पहली सच्ची घटना पर आधारित फिल्म ‘दंतेला’ 29 अगस्त को सिनेमाघरों में

कोरबा। छत्तीसगढ़ी सिनेमा में एक ऐतिहासिक कदम रखते हुए, पहली बार एक सच्ची घटना पर आधारित फिल्म दंतेला बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। यह फिल्म हॉरर, कॉमेडी और ड्रामा का अद्वितीय संगम है, जिसका निर्देशन किया है डॉ. शांतनु पाटनवार ने।फिल्म की कहानी बालरामपुर ज़िले के चरचरी गांव की है, जो बीहड़ जंगलों के बीच बसा है। यहां आज भी लोग गंदा पानी पीने के लिए मजबूर हैं। इसी सच्चाई से जुड़ी घटनाओं को रोमांच, डर और हास्य के साथ बड़े पर्दे पर पेश किया गया है।फिल्म के लीड एक्टर एवरग्रीन विशाल इसमें ‘भैरू’ के दमदार किरदार में नजर आएंगे। फिल्म का गाना काली आवत पहले ही दर्शकों के दिलों को जीत चुका है, वहीं हाल ही में रिलीज हुआ कटिली नचइया गाना सोशल मीडिया और यूट्यूब पर जबरदस्त धूम मचा रहा है।अनिल सिन्हा जी अपने किरदार में 7 अलग-अलग अंदाज की कॉमेडी लेकर आए हैं, जो दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर देंगे। अमन सागर जी का अनुभवी और दमदार अभिनय कहानी को और गहराई देता है। वहीं, डॉ. राज दिवान फिल्म के लीड विलेन के रूप में नज़र आएंगे, जिनका खौंखार रूप दर्शकों को रोमांचित और सिहरन से भर देगा।विशेष बात यह है कि यह छत्तीसगढ़ की पहली फिल्म है जिसे डॉक्टर्स की टीम ने मिलकर बनाया है।इस टीम में शामिल हैं - निर्देशक डॉ. शांतनु पाटनवार, अभिनेता डॉ. राज दिवान, डॉ. कार्तिक सोनी, डॉ. प्रवीन मित्तल, डॉ. सुरेश प्रभाकर, डॉ. इशी मंद्रीक, सुनील कुमार साहू और अन्य।फिल्म के लीड कास्ट में हैं - एवरग्रीन विशाल, राया डिंगोरिया, ज्योत्सना ताम्रकार, डॉ. राज दिवान, अमन सागर, अनिल सिन्हा, वीना सेंद्रे, डॉ. कार्तिक सोनी और सत्येश शर्मा।

आज दंतेला की टीम प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए कोरबा पहुंची, जहां उन्होंने फिल्म से जुड़े दिलचस्प किस्से साझा किए। टीम का कहना है कि यह फिल्म न केवल डर और हंसी का अनोखा अनुभव देगी, बल्कि दर्शकों को एक सच्चे सामाजिक मुद्दे पर सोचने के लिए भी मजबूर करेगी।

स्वच्छता अभियान में शामिल हुए भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल

कोरबा। मोर तिरंगा मोर अभिमान के तहत कोरबा भाजपा मंडल द्वारा स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था कार्यक्रम का आयोजन कोरबा के धनूवार पारा स्थित महामाया मंदिर प्रांगण में किया गया था जिसमे भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री गोपाल मोदी शामिल हुए श्री मोदी ने कोरबा भाजपा मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ मंदिर एवं मंदिर प्रांगण मे स्वच्छता का कार्य किया वही एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि मोर तिरंगा मोर अभिमान भारतीय जनता पार्टी का महा अभियान है जिसके लिए हम सभी दृण संकल्पित हैं और अभियान के तहत ही ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन पुरे जिले मे किया जा रहा है ताकि आम जनता भी इन कार्यक्रमों के माध्यम से मोर तिरंगा मोर अभिमान घर-घर तिरंगा अभियान से जुड़कर अपने दिलों में देशभक्ति की भावना जगाएं और घर-घर तिरंगा फहराकर राष्ट्रहित मे अपनी सहभागिता निभाए इस अवसर पर महापौर श्री मति संजू देवी राजपूत पूर्व महापौर श्री जोगेश लाम्बा पिछड़ा वर्ग प्रदेश मंत्री रितु चौरसिया श्रीमती उमा शराफ अनुसूचित जाति मोर्चा जिला श्री अध्यक्ष सरजू अजय कोरबा मंडल अध्यक्ष श्री योगेश मिश्रा पार्षद श्रीमती धनश्री साहू मंडल मंत्री श्री रमाशंकर साहू महामंत्री नवनीत राहुल शुक्ला संयोजक उत्तम जायसवाल सहसंयोजक पूर्णिमा पासवान सूरज पांडे विजय गुप्ता प्रमिला सागर निमेश्वरी पवार शांति यादव राजेंद्र सिंह राजपूत नवीन जायसवाल कमलेश कश्यप बजरंग यादव अजय साहू आदि कार्यक्रम मे शामिल रहे।

वन अधिकारी के घर चोरी

कोरबा। कोरबा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कोसाबाड़ी फॉरेस्ट कॉलोनी में डिप्टी रेंजर भरत राम धीवर के सरकारी आवास में चोरी की सनसनीखेज घटना सामने आई है। चोरों ने 30 हजार रुपये नकद और करीब 1 लाख रुपये कीमती सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। घटना उस समय हुई, जब अधिकारी का परिवार रक्षाबंधन मनाने के लिए जांजगीर जिले के अपने गांव कोसा गया हुआ था। पुलिस के अनुसार, डिप्टी रेंजर भरत राम धीवर ने सोमवार दोपहर कोरबा लौटने पर अपने घर में चोरी का पता चला। चोरों ने मुख्य सड़क के किनारे बने आवास के सामने गेट का ताला तोड़ा और दीवार के सहारे अंदर घुसकर बेडरूम व अन्य कमरे के ताले तोड़ दिए।

पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट

हत्या के मामले में 9 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

सक्ती। जिला सक्ती पुलिस ने पुरानी रंजिश को लेकर हुई एक जानलेवा मारपीट और हत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 09 आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। यह घटना थाना डभरा क्षेत्र के ग्राम बगरैल में 10 अगस्त की शाम घटी, जिसमें गंभीर रूप से घायल सर्वेदास महंत (45) की इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थिया कांती बाई महंत ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 10 अगस्त की सुबह उसके पति सर्वेदास महंत ने गांव के सरकारी बोर का स्टार्टर बदलवाकर पंप चालू किया था। शाम करीब 6 बजे, गांव के पीलादास महंत, रोहिदास महंत, सुफल दास महंत, चमरू दास महंत, कृष्णा दास महंत, मन्नू दास महंत, कमल दास महंत, दुर्जन दास महंत और सुनील दास महंत लाठी, डंडा और रॉड लेकर आए और गाली-गलौज करते हुए घर का दरवाजा-खिड़की तोड़कर अंदर घुस गए। आरोपियों ने सर्वेदास महंत, उनकी पत्नी और बेटे विमल दास महंत पर बेरहमी से हमला किया।

हमले के दौरान आरोपियों ने सर्वेदास महंत को कपड़े से बांधकर घसीटते हुए सुफल दास महंत के घर के पास ले जाकर बुरी तरह पीटा और घायल अवस्था में वहीं छोड़ दिया। पुलिस सूचना पाकर मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी डभरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सर्वेदास महंत को मृत घोषित कर दिया। उनके बेटे विमल दास महंत को सिर और हाथ में चोटें आईं, जिनका उपचार कराया गया।

मामले में अपराध क्रमांक 257/2025 धारा 103(1), 332(बी), 324(6), 191(1), 191(3), 296, 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर फोरेंसिक टीम ने स्थल निरीक्षण किया। पूछताछ में आरोपियों ने रंजिश के चलते हत्या की बात स्वीकार की।

इस कार्रवाई में डभरा पुलिस की विशेष भूमिका रही, जिसने तत्परता दिखाते हुए सभी आरोपियों को 11 अगस्त को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया।

डॉ.बोधीराम साहू टीम ऑफ डायमंड अवॉर्ड से सम्मानित

जांजगीर। राष्ट्रीय मानवाधिकार अपराध नियंत्रण ब्यूरो छत्तीसगढ़ द्वारा उत्कृष्ट कार्यों के फलस्वरूप डॉ.बोधी राम साहू को टीम आफ डायमंड अवॉर्ड से प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल,प्रदेश सलाहकार अमोलक सिंह,प्रदेश संरक्षक दिलीप साहू,कुलवंत सिंह जब्बल संभाग उपाध्यक्ष सहित पदाधिकारियों के कर कमलों से स्मृति चिन्ह,सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान शिक्षा,साहित्य,समाज सेवा व उत्कृष्ट मंच संचालक प्रतिभा,टीम भावना कार्य पर दिया गया है।ज्ञात हो कि ये इसके अलावा राज्य,राष्ट्रीय,अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लगभग 296 से भी अधिक सम्मानों से विभूषित हो चुके है।इनके सम्मानित होने पर कपिल नाथ साहू,विजय प्रधान,विष्णु अवतार,कुलवंत सिंह,डॉ .शिवनारायण देवांगन आस,राजेश सोनी,डा.राघवेंद्र राठौर, सुश्री लक्ष्मी करियारे,सूरज श्रीवास देवेंद्र बरेठ,विजय यादव,ज्योति कश्यप, श्रीमति विद्या राठौर,जे.सी.साहू. केशव साहू, सहित प्रशंसकों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

गौवंश तस्कर गिरफ्तार,पिकअप व बाइक जप्त

सक्ती। जिले में पुलिस ने गौवंश तस्करी के मामले में मुख्य आरोपी हीरालाल यादव को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से 12 लाख का पिकअप वाहन, 40 हजार की मोटरसाइकिल और 10 हजार का मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

मामला तब सामने आया जब गौ सेवा समिति सक्ती के अध्यक्ष मयंक सिंह ठाकुर ने शिकायत दर्ज कराई। नवापारा खुर्द में राइस मिल के पीछे कुछ लोग गाय और बैल को पिकअप वाहन में जबरन भर रहे थे। समिति सदस्यों और ग्रामीणों के विरोध पर आरोपी हीरालाल यादव और उसके साथी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

आरोपियों ने मौके पर वाहन और 9 गौवंश छोड़े

आरोपियों ने मौके पर वाहन और 9 गौवंश छोड़ दिए। इनमें से एक गौवंश की बाद में मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले में कई धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया। इनमें बीएनएस की धारा 351(3), छत्तीसगढ़ कृषिक पशु निवारण अधिनियम 2004 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 शामिल हैं।

सक्ती एसडीओपी मनीष कुंवर के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने तस्करी की बात स्वीकार की है। जांच में पता चला कि

आरोपी पहले भी चोरी और मारपीट के मामलों में शामिल रहा है। न्यायालय ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

बारिश थमी, उमस बढ़ी

रायगढ़। जिले में बारिश की रफ्तार थम चुकी है। इससे अब फिर से गर्मी का एहसास होने लगा है। दिन में तेज धूप निकल रही है तो अधिकतम तापमान भी 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। वहीं बीते 24 घंटे में जिले में मात्र 0.4 मिली मीटर औसत बारिश हुई है।

मानसून के सक्रिय होने के बाद ऐसा था कि लोगों को उम्मीद थी जिले भर में अच्छी बारिश होगी, लेकिन शुरुआत के कुछ दिनों में बारिश होने के बाद अब इसकी रफ्तार थम चुकी है।

कुलहाड़ी से हमला कर पत्नी को उतारा मौत के घाट, गया जेल

सक्ती। जिले में एक व्यक्ति पर टांगी से हमला करने का मामला सामने आया है। मालखरौदा थाना क्षेत्र के ग्राम पोता में 10 अगस्त की रात करीब 11 बजे की यह घटना है। पीड़ित ओम कुमार केवट नहर के पास दुकान चलाता है। वह रात 9.30 बजे खाना खाने घर गया था। इसी दौरान आरोपी लक्ष्मी कुमार यादव उर्फ राजा यादव ने उस पर टांगी से हमला कर दिया। पीड़ित के दोस्त ने फोन कर परिवार को घटना की जानकारी दी।

पीड़ित के पिता बसंत कुमार यादव ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़ित ने बताया कि आरोपी ने चरित्र संदेह के कारण उस पर हमला किया था। सक्ती एसडीओपी मनीष कुंवर के अनुसार, पुलिस ने धारा 109(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम पोता में छापेमारी कर 27 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

ईश्तहार

[illegible] 29-08-2025

-//विरूद्ध//-

[illegible]

(स्मिता श्रीवास्तव सिन्हा)

सील

प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी डभरा
जिला- जांजगीर चांपा (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क. / निर्माण/2025 दिनांक 06.08.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)	निविदा डालने कीअंतिम तिथि
1.	वार्ड क 17 (पूर्व वार्ड क. 15) अंतर्गत गौठान पारा रसियन हास्टल ढोढ़ी पारा में नाली सी.सी. रोड का निर्माण (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	20.00	03.09.2025 (T.No.173375)
2.	वार्ड क 18 कोहड़िया (पूर्व वार्ड क 16) में विभिन्न बस्तियों में सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	50.00	03.09.2025 (T.No.173377)
3.	वार्ड क 04 (पूर्व वार्ड क. 03) अंतर्गत बजरंग चौक शिव मंदिर गली राताखार में शिव मंदिर के सामनले बिन्दु सिंह राजपूत के घर तक सी. सी. रोड व नाली निर्माण कार्य (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	15.00	03.09.2025 (T.No.173378)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.costate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग)

। । स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम गरिमामय रूप से आयोजित किया जाए और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण हों। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, बैठक व्यवस्था, साज-सज्जा, पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा सहित अन्य सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ध्वजारोहण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शहीद परिवारों को सम्मान, आमंत्रित किये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही, जिले के सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों तथा राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों में रोशनी करने को कहा।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती वर्ष के आयोजन की तैयारी को लेकर विभागवार आयोजन की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में विभागीय योजनाओं एवं पिछले 25 वर्षों में विभागों द्वारा किए गए कार्यों को समाहित करते हुए साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित रजत जयंती वर्ष 15 अगस्त 2025 से 31 मार्च 2026 का आयोजित की जाएगी जिसमें शासन की उपलब्धियों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने शासन के निर्देशानुसार सभी विभागों को विभिन्न कार्यक्रमों, शिविर, सेमिनार व वर्कशॉप आयोजित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में नगरीय क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों, सड़कों से आवारा मवेशियों को तत्काल सड़को से हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पशु चिकित्सा विभाग, सीईओ जनपद, सीएमओ, सहित संबंधित विभागों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवारा मवेशियों के सड़क पर बैठने वाले चिन्हित स्थलों की पहचान कर वहां से हटाने और गौशाला व कांजी हाऊस पहुंचाने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवारा मवेशियों के सड़क पर बैठने वाले चिन्हित स्थलों से पशुओं को हटाने एवं 24म7 शिफ्टवाइस ड्यूटी लगाने के निर्देश जनपद सीईओ एवं सीएमओ को दिए। इसके साथ ही मवेशियों को खुले में छोड़ने वाले मालिकों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने मवेशियों को रेडियम बेल्ट लगाने, टैगिंग करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद एवं नगरीय क्षेत्रों में पशु सुरक्षा समिति का गठन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता अभियान के तहत सभी सभी जनपद सीईओ को सभी ब्लॉक मुख्यालय में तिरंगा बिक्री केंद्र स्टॉल लगाने कहा। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर कहा है कि स्कूलों के मरम्मत कार्य शीघ्र प्रारंभ करें एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करे। कलेक्टर ने एग्रिस्टेक में शत प्रतिशत किसानों का पंजीयन करने कहा ताकि शासकीय योजनाएं और सेवाएं सीधे और लाभार्थियों तक पहुँच सके। उन्होंने सभी विभागों को शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन का अटल मॉनिटरिंग डैशबोर्ड में एंट्री करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर ने विभागवार समय सीमा के लंबित प्रकरणों, जनदर्शन में प्राप्त शिकायतों का विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

बहनों ने राखी बांधकर मांगा सुरक्षा का वचन

बलौदा। रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व पर इस बार बलौदा थाने का माहौल कुछ अलग और भावुक कर देने वाला रहा । जय भारत इंग्लिश मीडियम भिलाई बलौदा स्कूल की छात्राओं ने बलौदा थाना पहुंचकर वहां तैनात पुलिस जवानों को राखी बांधकर सुरक्षा का वचन लिया छात्रों ने जवानों के ललाट पर तिलक लगाकर मिठाई खिलाई और कलाई पर छात्राओं द्वारा स्व निर्मित रक्षा सूत्र बांधा । जवानों की आंखें नम हो गई जब छात्रों ने कहा आप जैसे पुलिस जवानों के वजह से हम निडर होकर स्कूल जा पाते हैं। छात्राओं ने यह भी कहा कि हम पुलिस के समर्पण को सलाम करते हैं और उनकी यह सेवा ही सच्चा राष्ट्र धर्म है थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव ने स्कूल छात्राओं की इस पहल की सराहना करते हुए कहा रक्षाबंधन केवल भाई बहन का पर्व नहीं यह देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का भी पर्व है जब बहनों ने हमें राखी बांधी वह केवल धागा नहीं था - वह विश्वास आशीर्वाद और संकल्प का प्रतीक था। जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्राएं सिर्फ ज्ञान नहीं संस्कार भी अर्जित कर रही है द्य इस मौके पर थाना स्टाफ के टीआई राजीव श्रीवास्तव,प्रतिभा राठौर ,मुकेश यादव, बृजपाल बर्मन, रोहित साहू, विनोद मनहर सहित समस्त पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

बदहाल सड़क ने लोगों का चलना किया मुश्किल

उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर सुधार कराने की मांग

सक्ती। जिले में बाराद्वार के जैजैपुर चौक से ग्राम ठठरी तक की सड़क बहुत ज्यादा जर्जर हो चुकी है। इस समस्या को लेकर जिला पंचायत सदस्य आयुष शर्मा ने छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग मंत्री अरुण साव को पत्र लिखा है।

पत्र में शर्मा ने इस मार्ग की मरम्मत या पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे सड़क पर होने वाले हादसों में कमी आएगी। आयुष शर्मा ने बताया कि बाराद्वार के जैजैपुर चौक से जैजैपुर-हसौद तक जाने वाली मुख्य सड़क का पूर्व में निर्माण हुआ था।

वर्तमान में जैजैपुर चौक से ग्राम ठठरी तक लगभग 10 किलोमीटर लंबा हिस्सा दयनीय स्थिति में है। यह मार्ग बाराद्वार से हसौद को जोड़ने वाला एकमात्र संपर्क मार्ग है। इस मार्ग पर प्रतिदिन यात्री बसों सहित बड़ी संख्या में निजी वाहन चलते हैं।

शर्मा ने बताया कि इस सड़क पर स्कूल बसों से आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं की भी आवाजाही होती है। सड़क की खराब स्थिति के कारण आए दिन घटनाएं हो रही हैं। जिला पंचायत सदस्य ने मंत्री से इस मार्ग की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

तिरंगा रैली में जन-जन की हुई सक्रिय सहभागिता

सक्ती। देश की आजादी की 78 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सक्ती जिले में हर घर तिरंगा अभियान का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो और जिला पंचायत सीईओ वासु जैन के आह्वान पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) समूह की दीदियों ने इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित की है। जिले में 15 अगस्त तक चलने वाले इस हर घर तिरंगा अभियान के तहत सक्ती ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत जेठा में बिहान की दीदियों द्वारा तिरंगा रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों और ग्रामवासियों को अभियान में उत्साहपूर्वक शामिल होने का संदेश दिया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की मांग एवं समस्याएं

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना एवं अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 66 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में तहसील अकलतरा के ग्राम बनाहील निवासी मंगल सिंह राठौर अपने जमीन का कब्जा हटाने संबंधी आवेदन लेकर पहुचे। जिस पर कलेक्टर ने अकलतरा एसडीएम को निर्देशित करते हुए तत्काल कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। सारागांव निवासी श्रीमती लक्ष्मीनबाई केंवट राशन कार्ड बनवाने संबंधी आवेदन लेकर पहुची। लक्ष्मीनबाई ने बताया कि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है, जीवन निर्वाह में समस्या आ रही है। जिस पर कलेक्टर ने खाद्य अधिकारी को राशन कार्ड बनाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आज जनदर्शन में राशन कार्ड, आर्थिक सहायता, आवास सहित अन्य विषयों से संबंधित कुल 66 आवेदन प्राप्त हुए।

धर्मदत्त की पुण्यतिथि पर विद्यार्थियों को मिली प्रोत्साहन राशि

जांजगीर-चांपा। क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक न्याय पंचायत नैला के पूर्व उपाध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत सिवनी (नैला) के प्रथम निर्वाचित सरपंच स्व. पंडित धर्मदत्त पाण्डेय की 62 पूण्यतिथि के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार पौधा रोपण एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान के साथ ही श्रद्धांजली सभा का आयोजन स्व. धर्मदत्त पाण्डेय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिवनी (नैला) मे किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष छ.ग.विधानसभा नारायण चंदेल ने कहा कि स्व. धर्मदत्त पाण्डेय न्यायप्रिय थे और न्याय के लिए वे कभी गरीब-अमीर, जात-पात मे भेदभाव नही किए। उन्होने आगे कहा कि पं. धर्मदत्त पाण्डेय न्याय पंचायत के उपाध्यक्ष होने के साथ-साथ जननेता भी थे आज ग्राम सिवनी गौरव ग्राम कहलाता है यह स्व. धर्मदत्त जी के संस्कारों का ही देन है। उन्होने कहा दुनिया मे कुछ ही लोग होते है जो इतिहास मे याद रहते है उनमे से स्व. पाण्डेय एक थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि क्षेत्र की जनता का लगातार मिल रहा प्यार और सम्मान ही पाण्डेय परिवार का संबल और धरोहर है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक अकलतरा चुन्नीलाल साहू ने कहा कि पूर्वजों के किए हुए कार्यो को याद रखना हमारी संस्कृति है और समाज मे वही याद किया जाता है जिसने समाज के हित मे अपना तन मन धन न्यौछावर किया हो। उन्होने स्व. धर्मदत्त के जीवन यात्रा को पुस्तक के माध्यम से संकलित करने का आह्वान किया। कार्यकारी जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी रमेश पैगवार ने कहा कि स्व. धर्मदत्त पाण्डेय की लोकप्रियता को इसी बात से समझी जा सकती है कि उन्होंने कुल 55 साल का जीवन जिया और आज 62 वर्षो से क्षेत्र के नागरिक लगातार उन्हें याद कर रहे है। कार्यक्रम का संचालन शाला विकास समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र पाण्डेय ने किया और आभार प्रदर्शन स्व. पाण्डेय प्रपौत्र इंजी. रवि पाण्डेय ने किया। सभा के पूर्व अतिथियों के द्वारा पौधारोपण किया गया साथ ही अमृतलाल यादव और बिहारी बरेठ के भजन गायन के कार्यक्रम से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। कार्यक्रम के अंत मे प्रतिवर्षानुसार इंजी. रवि पाण्डेय के द्वारा ग्राम के मेघावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह और एक हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिसमे शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सिवनी के बारहवीं के छात्र सूरज बरेठ (79.49प्रतिशत) और दसवीं के छात्रा वर्षा लाठिया (92 प्रतिशत) एवं विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक शाला सिवनी के बारहवी के छात्र तान्या राठौर (83 प्रतिशत) और दसवी के छात्र ओम पाण्डेय (93प्रतिशत) को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे विशेष रूप से

पूर्व मण्डी अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय, पूर्व सरपंच सनत पाण्डेय, नगर पालिका नैला जांजगीर के उपाध्यक्ष मोहन यादव, राजीव पाण्डेय, किशोर पाण्डेय, मनोज पाण्डेय, अरूण पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय, विवेक पाण्डेय, शिव शंकर पाण्डेय, उप सरपंच शुभांशु मिश्रा, पत्रकार पवन अग्रवाल, सीताराम नायक, घुरऊ प्रसाद राठौर, रामप्रसाद राठौर, रामगोपाल राठौर, जानू राठौर, रमेश बरेठ, भाजपा मण्डल प्रवक्ता रोहित यादव, सूर्यनारायण राठौर, मंगतराम बरेठ, हेमलता यादव, प्रेमचंद धीवर, पतीराम करियारे, रोहित कुमार सूर्यवंशी, नंदकुमार लाठिया, रूपनारायण लसेर, मनोज लाठिया, जितेन्द्र बरेठ, कृष्णा बरेठ, योगेश राठौर, रामायण धीवर, दीपक धीवर, राकेश कहरा, बलदाऊ प्रसाद राठौर, नोधराम बरेठ, सुरेन्द्र पाण्डेय, अनंदराम बरेठ, परदेशी, छोटेलाल बरेठ, चन्द्रशेखर पाण्डेय, राकेश चौहान, सुकेश शर्मा, ओम पाण्डेय, सूरज बरेठ, विवेक यादव, रामखिलावन धीवर, रामसिंह, सत्यनारायण धीवर, आरती रवि राठौर, शुभ पाण्डेय आशु पाण्डेय गोविन्द पाण्डेय अशोक बरेठ, भरत लाल धीवर रमेश राठौर, अवध बिहारी पाण्डेय, मनोज कुमार बरेठ, संतोष राठौर, जवाहर कश्यप, रामप्रसाद राठौर, मयाराम राठौर सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

अनमोल वचन......

विफलता के बारे में चिंता मत करो, आपको बस एक बार ही सही होना हैं।

टैरिफ वॉर का दांव

अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ वॉर का दांव चल कर दुनिया के तमाम देशों को निशाने पर ले रहे हैं। भारत पर पच्चीस फीसद टैरिफ लगाने का फैसला पहले ही सुना चुके हैं। अब चौबीस घंटों के भीतर इससे कहीं ज्यादा टैरिफ लगाने की उनकी घोषणा एक और चेतावनी है। ट्रंप ने भारत के रूस से तेल खरीदने को वॉर मशीन की मदद करने सरीखा बताया है। भारत ने तत्काल इसे तर्कहीन बताया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका भी रूस से परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम, हेक्साफ्लोराइड और इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है। कड़े प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका ने तकरीबन साढ़े तीन अरब डॉलर का रूसी गुड्स ट्रेड किया है। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया कि वैश्विक बाजार को स्थिर करने के लिए अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीदते रहने को प्रोत्साहित किया गया था। मोदी को मित्र बता कर गलबहियां करने वाले ट्रंप के बदलते तेवर कूटनीतिक रूप से हताशा भरे माने जा सकते हैं। उन्होंने भारत को अच्छा व्यापारिक साझेदार न बता कर संदेह को भी बढ़ाने का काम किया है।

रूस से सिर्फ तेल खरीद ही असल मुद्दा नहीं है। अमेरिका को भारत का रूसी सैन्य उपकरण लेना भी अखरता रहा है। अमेरिका के दबदबे को घुड़की देकर भारत ने वैश्विक समुदाय के समक्ष पश्चिमी देशों की पाखंड वाली नीति पर प्रश्न चिह्न लगाने में भी गुरेज नहीं किया। यूक्रेन में रूस के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर कर रहे गुटों की बात की जाए या व्यापार की तो इसकी किसी पारदर्शी योजना का अब तक खुलासा नहीं हुआ है। साल के अंत में रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा संभावित है। तब भी अमेरिका अपनी आक्रामकता पर काबू करने में विफल रहने वाला है। खुद को शांति दूत के तौर पर पेश करने की ट्रंप की तमाम कोशिशों को दुनिया भली-भांति देख रही है। भारत न सिर्फ विशाल बाजार है, बल्कि उसे अन्य मुल्कों के साथ साझीदारी/व्यापार करने से रोक पाना आसान नहीं है। उसे अपनी बढ़ती अर्थव्यस्था की गति को स्थिर रखने और घरेलू दबावों के चलते अपने रुख पर कायम रहना होगा। ट्रंप की भभकी का असर अधिक इसलिए भी नहीं रह जाता क्योंकि वे अस्थिर व्यक्ति हैं। उनके बयानों/विचारों में ढुलमुलाहट के चलते घबराने की तनिक आवश्यकता नहीं है।

राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपके द्वारा की जाने वाली प्रार्थना का फल जल्दी ही प्राप्त होगा। आज आप अपने कर्म पर ध्यान देंगे और पॉजिटिव बनें रहेंगे। आज दूसरों पर ज्यादा निर्भर रहने से बचेंगे तो आप अपने काम में बढ़िया परफॉर्म कर पायेंगे। आज आप अपनी पसंदीदा गतिविधियों को महत्व देंगे, इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

वृष राशि - आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज जीवन बहुत सहज और आसान लगेगा। आज दूसरों से आगे जाने की इच्छा आपके आत्मविश्वास और कार्यकुशलता में वृद्धि करेगी। आज आपको किसी काम को लेकर उलझन हो सकती है लेकिन आप शांति से समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करेंगे तो सब सही रहेगा।

मिथुन राशि - आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप अपने भाई के साथ मिलकर किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें आपको अच्छा धन लाभ होगा। आज प्रॉपर्टी के बिजनेस के लिए भी लाभदायक स्थिति बनी हुई है। आज आपको ऑफिशियल कार्यों में सफलता मिलेगी और भविष्य के लिए नई योजनाएं बनेंगी। आज आप दूसरे क्या कह रहे हैं, इस पर ध्यान दिए बिना अपने कार्यों को पूरा करेंगे।

कर्क राशि - आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप जीवन को एक नए नजरिये से देखेंगे और समस्या को पाजिटिविटी के साथ हल करेंगे तो बेहतर रहेगा। आपके अंदर आ रहे बदलाव के कारण आज परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश होंगे। आज अधूरे काम पूरे करने के लिए अच्छा दिन है और आज लेनदेन के मामलों में भी आप भाग्यशाली रहेंगे। आज आपको कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से आपको प्रसन्नता होगी।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज दांपत्य जीवन एवं घर की व्यवस्था में मधुरता और आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आज युवा वर्ग व्यर्थ के कामों में पड़कर समय नष्ट ना करें। आज आप कुछ समय अपने स्वास्थ्य और मनोबल को बेहतर बनाने में भी व्यतीत करेंगे। आज आप अपने काम को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें, जिससे काम करने में आसनी होगी।

कन्या राशि - आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए किसी एक्सपर्ट की राय ले सकते हैं। आज जीवनसाथी व परिवार का सहयोग आपके आत्म बल व आत्मविश्वास को बनाकर रखेगा। आज आप स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और अपने खान पान के ऊपर विशेष ध्यान दें। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आप अपनी सूझबूझ से काम लेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला राशि - आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आपकी आर्थिक समस्या हल होने वाली है क्योंकि आपको पुराना अटका हुआ पैसा वापस मिलेगा। आज आपके वैवाहिक जीवन में खुशियों के साथ साथ नन्हें मेहमान का आगमन होगा। आज आपको एक से अधिक स्रोतों से आय मिलेगी और स्वास्थ्य समस्याओं से भी आपको राहत मिलेगी। आज आप व्यवसाय की कुछ योजनाओं को फिर से शुरु कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छा लाभ लेकर आएंगे।

वृश्चिक राशि - आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति की तरफ भी आपका ध्यान केंद्रित होगा। आज आप अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण रूप से एकाग्र चित्त रहें तो आप सफलता के ज्यादा नजदीक होंगे। आज युवाओं को किसी अनुभवी तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति का आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

धनु राशि - आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप घर शिफ्ट करने से पहले उसकी अच्छे से जांच पड़ताल कर लें। नया निवेश करने से पहले आप किसी जानकर की सलाह अवश्य ले लें। आज आपको घर के बड़े बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखना होगा। आज आपके घर पर किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हो सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी आपको दी जा सकती है।

मकर राशि - आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप दूसरों से ज्यादा उम्मीदें करने की बजाय अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर ही विश्वास रखें। आज आप भावनाओं में आकर कोई भी फैसला न लें और जीवन से जुड़ी हर गतिविधि को व्यावहारिक तरीके से समझने का प्रयास करें।

कुम्भ राशि - आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहेगा। आज नौकरी या बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है। आज आपको आपके काम में कामयाबी मिलेगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मीन राशि - आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज किसी करीबी की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। ये समय आपके लिए आगे बढ़ने का है, सही योगदान देंगे तो आपको आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

शिव के तांडव नृत्य का सिलसिला अभी भी जारी

//प्रमोद भार्गव//

भगवान भोले नाथ का गुस्सा प्रतीक रूप में मौत के तांडव नृत्य में फूटता है। देवभूमि उत्तराखंड में शिव के इस तांडव नृत्य का सिलसिला केदारनाथ में 2013 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद से अभी भी जारी है। उत्तरकाशी जिले की खीर गंगा नदी और धराली में बादल फटने और हॅसलि के तेलगाड़ नाले में बाढ़ आने से बड़ी तबाही हुई है। धराली में 50 से ज्यादा घर, 30 होटल और 30 होमस्टे मलबे में बदल गए। जो खीर नदी 10 मी. चौड़ी थी, वह जल प्रवाह से 39 मी. चौड़ी हो गई। अतएव जो भी सामने पड़ा उसे लीलती चली गई। प्रशासन चार लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होना बता रहा है। लेकिन हिमालय के बीचोंबीच बसे खूबसूरत धराली गांव में सैलाब जैसे नीचे उतरते दिखा, उससे लगता है कि मौतें कहीं अधिक हुई हैं। पलय इतनी तीव्रता से आई कि उसकी कान के पर्दे फाड़ देने वाली गर्जना सुनने के बाद लोगों को बचने का समय ही नहीं मिल पाया।

बादल फटना अनायास जरूर है, लेकिन ये करीब 10 किमी. व्यास की परिधि में फटने के बाद अति वृष्टि का कारण बनते हैं। 10 सेंमी. या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में पारिभाषित किया जाता है। बादल फटने की घटना के दौरान किसी एक स्थान पर एक घंटे के भीतर उस क्षेत्र में होने वाली औसत वार्षिक वष्रा की 10 प्रतिशत से अधिक बारिश हो जाती है। मौसम विभाग वर्षा का पूर्वानुमान कई दिन या माह पहले लगा लेता है, लेकिन मौसम विज्ञानी बादल फटने जैसी बारिश का अनुमान नहीं लगा पाते।

समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम अक्षम हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें। ध्यान रखें कि अंतत~ हमारी वर्तमान अर्थव्यस्था का मजबूत आधार अटूट प्राकृतिक संपदा और खेती ही हैं। लेकिन उत्तराखंड हो या प्राकृतिक संपदा से भरपूर अन्य प्रदेश उद्योगपतियों की लॉबी जीडीपी और विकास दर के नाम पर पर्यावरण संबंधी कठोर नीतियों को लचीला बना कर अपने हित साधने में लगी हैं। विकास का लॉलीपॉप प्रकृति से खिलवाड़ का कारण बन गया है।

उत्तराखंड, उप्र से विभाजित होकर 9 नवम्बर, 2000 को अस्तिव में आया था। तेरह जिलों में बंटे इस छोटे राज्य की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 1 करोड़ 11 लाख है। 80 फीसद साक्षरता वाला यह प्रांत 53,566 वर्ग किमी. में फैला हुआ है। उत्तराखंड में भागीरथी, अलकनंदा, गंगा और यमुना जैसी बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली नदियों के उद्गम स्थल हैं। इन नदियों के उद्गम स्थलों और किनारों पर पुराणों में दर्ज अनेक धार्मिक-सास्कृतिक स्थल हैं। इसलिए इस भूभाग को धर्म-ग्रंथों में देवभूमि कहा गया है। यहां के वनाच्छादित पहाड़ अनूठी जैव- विविधता के पर्याय हैं। तय है कि उत्तराखंड प्राकृतिक संपदाओं का खजाना है। इसी बेशकीमती भंडार को सत्ताधारियों और उद्योगपतियों की नजर लग गई है, जिसकी वजह से पलय जैसे प्रकोप बार-बार इस देवभूमि में बर्बादी की आपदा बरसा रहे हैं।

उत्तराखंड की तबाही की इबारत टिहरी में गंगा नदी पर बने बड़े बांध के निर्माण के साथ ही लिख दी गई थी। बांध के निर्माण में विस्फोटकों के इस्तेमाल ने धरती के अंदरूनी पारिस्थितिकी तंत्र के ताने-बाने को खंडित कर दिया। विद्युत परियोजनाओं और सड़कों का जाल बिछाने के लिए भी धमाकों का अनवरत सिलसिला जारी रहा। अब यही काम रेल पथ के लिए सुरंगें बनाने में सामने आ रहा है। विस्फोटों से फैले मलबे को भी नदियों और हिमालयी झीलों में ढहा दिया जाता है। नतीजतन, नदियों का तल मलबे से भर गए हैं। परिणामस्वरूप इनकी जल ग्रहण क्षमता नष्ट हुई और जल प्रवाह बाधित हुआ। अतएव जब भी तेज बारिश आती है तो तुरंत बाढ़ में बदल कर विनाशलीला में तब्दील हो जाती है।

बादल फटने के केदारनाथ और अब धराली जैसे परिणाम निकलते हैं। उत्तरकाशी, जोशीमठ में तो निरंतर बाढ़ और भू-स्खलन देखने में आ रहे हैं, इस क्षेत्र के सैकड़ों मकानों में भूमि धसकने से बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। भू-स्खलन के अलावा इन दरारों की वजह कालिंदी और असिगंगा नदियों पर निर्माणाधीन जल विद्युत और रेल परियोजनाएं भी हैं। उत्तराखंड जब स्वंतत्र राज्य नहीं बना था, तब इस देवभूमि क्षेत्र में पेड़ काटने पर प्रतिबंध था। नदियों के तटों पर होटल नहीं बनाए जा सकते थे। निजी आवास बनाने तक पर रोक थी।

लेकिन उत्तर प्रदेश से अलग होने के साथ ही केंद्र से बेहिसाब धनराशि मिलना शुरू हो गई। इसे ठिकाने लगाने के नजरिए से स्वयंभू ठेकेदार आगे आ गए। उन्होंने नेताओं और नौकरशाहों का एक मजबूत गठजोड़ गढ़ लिया और नये राज्य के रहनुमाओं ने देवभूमि के प्राकृतिक संसाधनों की लूट की खुली छूट दे दी। दवा कंपनियां औषधीय पेड़-पौधों और जड़ी-बूटियों के दोहन में लग गई हैं। भागीरथी, खीरगंगा और अलंकनदा के तटों पर बहुमंजिला होटल और आवासीय इमारतों की कतार लग गई है। पिछले 25 साल में राज्य सरकार का विकास के नाम पर प्रकृति के दोहन के अलावा कोई उल्लेखनीय काम नहीं है। जबकि इस राज्य का निर्माण का मुख्य लक्ष्य था कि पहाड़ से पलायन रुके। रोजगार की तलाश में युवाओं को महानगरों की ओर ताकना न पड़े। लेकिन 2011 में हुई जनगणना के जो आंकड़े सामने आए हैं, उनके अनुसार पौढ़ी-गढ़वाल और अल्मोड़ा जिलों की तो आबादी ही घट गई है। तय है, क्षेत्र में पलायन और पिछड़ापन बढ़ा है। विकास की पहुंच धार्मिक स्थलों पर ही सीमित रही है, क्योंकि इस विकास का मकसद महज श्रद्धालुओं की आस्था का आर्थिक दोहन रहा था। यही वजह रही कि उत्तराखंड के 5 हजार गांवों तक पहुंचने के लिए सड़कें तक नहीं हैं। खेती आज भी वष्रा पर निर्भर है। उत्पादन बाजार तक पहुंचाने के लिए परिवहन सुविधाएं नदारद हैं। तिस पर भी छोटी-बड़ी प्राकृतिक आपदाएं कहर ढाती रहती हैं। इस प्रकोप ने तो तथाकथित आधुनिक विकास को मिट्टी में मिला कर जल के प्रवाह में बहा दिया है। ऐसी आपदाओं की असली चुनौती इनके गुजर जाने के बाद खड़ी होती है, जो अब जिस भयावह रूप में देखने में आ रही है, उसे संवेदनशील आंखों से देखा जाना भी मुश्किल है।

खरीफ फसलों में इस बार बाजरा का उत्पादन गिरेगा ,किसान बेहाल, परेशान

भारत में खरीफ फसलों के रूप में बाजरा मूंग, उड़द, सोयाबीन, रागी,आदि मानसून सीजन में होती हैं। लेकिन इस बार अत्यधिक बारिश और बाढ़ चलते विशेषकर उत्तर भारत,में उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात,में बाजरा की फसल लगभग समाप्त हो गई है।भारत में लगभग 80 लाख हैक्टेयर भूमि में यह फसल उगाई जाती है जिसमें राजस्थान में सर्वाधिक 42 लाख हैक्टेयर, उत्तर प्रदेश में 22 , मध्य प्रदेश में 9.5 और गुजरात 10 लाख हैक्टेयर भूमि

बाजरा की बोवनी होती हैं। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा,को मिलकर 118000 से अधिकतम 1300 मीट्रिक टन का उत्पादन किया जाता है।इस बार किसान 15 जून के आसपास तीव्र मानसून आने के कारण राजस्थान, गुजरात, मध्य, उत्तर प्रदेश में या तो फसल की बोवनी नहीं कर पाए या बोवनी हो भी गई तो लगातार बारिश कारण फसल गल गई। बाजरा एक ऐसी फसल है जो बहुत कम पानी में हो जाती है।चंबल क्षेत्र में कहावत है कि बाजरा के तो कान में भी पानी की कुछ बूंदे चली जाय तो फसल हो जाएगी। बाजरा उन्हीं इलाकों की फसल थी जहां सिंचाई के साधन नहीं थे। ब्रिटिश गजट में उल्लेख है कि 1912 में उत्तर भारत में बाजरा जोए, मूंग, रागी, उड़द,ग्वार, मूंगफली की खेती होती थी।1912 में जब भयंकर सूखा पड़ा तो लोगों के पास अनाज नहीं था। और 30 की आबादी इस सूखे के चलते काल के गाल में समा गई थी।इसी प्रकार 1930 का सूखा ऐसा पड़ा था कि गुजरात में अनाज के बदले अपने गहने, बच्चे बेच दिए थे जो बालिग थे।

उसी के साथ दालें भी होती हैं।किसान का मुख्य भोजन इन चीजों से ही बनता है। सबलगढ़ मध्य प्रदेश के गरीब किसान मनीष रावत कहते हैं कि इस बार पशुओं के लिए चारा के भी लाले पड़े हैं। बाजरा मूंग उड़द अति वर्षा के कारण नष्ट हो गई है। बाजरा की फसल मनुष्यों से तो जुड़ी हुई है लेकिन यह पशुओं का हरा चारा भी है। सितंबर से फरवरी तक पशुओं को बाजरा की करब ही चुनी में मिलकर दी जाती है दुधारू गायों,भैंसों को घास के साथ , बाजार के अतिशेष भी दिए जाते हैं।बाजरा मध्य जून में वो कर 80 से 90 दिन में काटा जा सकता है।यानी आषाढ़ से कुंवार माह में हो जाता है।आजादी के बाद और कुछ इलाकों में अंग्रेजों ने भी सिंचाई परियोजना बांध निर्माण किए।मगर आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में रावी व्यास, सतलुज,सिंध,चंबल,गंगा,यमुना, गोमती, कावेरी कृष्णा गोदावरी, नर्मदा, बेतवा, केन, पार्वती, महानदी, दामोदर वैली, गांधी सागर, हीराकुंड, बांध निर्माण किए गए। इनमें से लाखों किलोमीटर नहर बनाई गई।जो भारत में हरित क्रांति का कारण बने।किसान रवि की फसल भी लेने लगे हैं। कनाडा विश्व का सबसे बड़ा कृषि हब है। लेकिन वहां की सरकार किसानों को बीज,खाद,पानी, वेयरहाउस, मुफ्त में देती है। लेकिन अपने देश में अभी वह समय नहीं आया है। लेकिन इस बात गरीब कम रकबे वाला किसान संकट में है उसकी फसल अति वर्षा के कारण नष्ट हुई है और साथ खाद बीज भी आर्थिक चोट दे गया है यद्यपि केंद्र सरकार 80 करोड़ आबादी को खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है।किसानों की बाजिव मांगो को कोई किसान संगठन नहीं उठता क्योंकि इन मांगो में किसान माफिया को कुछ लाभ नहीं होता है वे तो बस एम एस पी बढ़ाने की मांग करते हैं ताकि किसानों से सस्ती दरों पर फसल खरीद सकें और सरकार को एम एस पी पर बेच सकें।पंजाब, हरियाणा,उत्तरी राजस्थान में यह धंधा चल रहा है।

पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष की धमकी और भारतीय सेनाध्यक्ष के बयान ने दुनिया को कई बड़े संदेश दिये

//नीरज कुमार दुबे //

असीम मुनीर ने को दिए साक्षात्कार और अमेरिकी धरती पर दिए बयानों में साफ कहा— हम पूर्व से शुरू करेंगे। यह बयान भारत–बांग्लादेश गलियारे की ओर इशारा करता है, जहाँ हालिया राजनीतिक बदलावों के बाद ढाका का रुख पाकिस्तान के प्रति कुछ नरम दिख रहा है।दक्षिण एशिया में सामरिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। एक ओर पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के ताज़ा बयान ने भारत के पूर्वी मोर्चे पर संभावित खतरे का संकेत दिया है तो दूसरी ओर भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आने वाले युद्ध को केवल सैनिकों का नहीं, बल्कि पूरे देश का युद्ध बताया है। दोनों बयान यह स्पष्ट कर रहे हैं अगला टकराव पारंपरिक सीमाओं से परे होगा, यह सैन्य शक्ति, तकनीक, सूचना युद्ध और जन–भागीदारी का सम्मिलित परीक्षण होगा।

हम आपको बता दें कि असीम मुनीर ने The Economist को दिए साक्षात्कार और अमेरिकी धरती पर दिए बयानों में साफ कहा– हम पूर्व से शुरू करेंगे। यह बयान भारत-बांग्लादेश गलियारे की ओर इशारा करता है, जहाँ हालिया राजनीतिक बदलावों के बाद ढाका का रुख पाकिस्तान के प्रति कुछ नरम दिख रहा है। यहां पुराने इस्लामी नेटवर्क और आतंकी चैनलों के फिर से सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। इसके अलावा, मुनीर ने न केवल पूर्वी मोर्चे पर रणनीतिक वार की बात की, बल्कि जल युद्ध की धमकी देते हुए कहा, भारत बांध बनाए और हम उसे दस मिसाइलों से उड़ा देंगे। साथ ही, परमाणु हमले की अप्रत्यक्ष चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पाकिस्तान पर अस्तित्व का संकट आया, तो ÷हम आधी दुनिया को अपने साथ ले डूबेंगे।

मुनीर के ये बयान उस समय आए हैं जब पाकिस्तान-अमेरिका रिश्तों में सुधार देखने को मिला है। अमेरिकी सेंटकॉम के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात और पाकिस्तान को फिर से अमेरिकी रणनीतिक मानचित्र में लाने का दावा, मुनीर के आत्मविश्वास को बढ़ा रहा है। महीने भर में दो बार अमेरिका की यात्रा करने के बाद मुनीर जिस तरह परमाणु धमकियां दे रहे हैं और भारत के साथ आधी दुनिया को लेकर डूबने की बात कह रहे हैं उससे अमेरिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

देखा जाये तो पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर का अमेरिका की धरती से भारत को सीधी परमाणु धमकी देना केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी गंभीर संकेत है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को भारत-पाकिस्तान के बीच शांति दूत के रूप में प्रस्तुत कर नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नैतिक आधार तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। मुनीर ने न केवल यदि हमारे अस्तित्व पर खतरा हुआ तो हम आधी दुनिया को ले डूबेंगे जैसी उत्तेजक भाषा का प्रयोग किया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी जिम्मेदार परमाणु शक्ति की तरह व्यवहार करने को तैयार नहीं है। ऐसे में ट्रंप के 'शांति दूत' होने का दावा हास्यास्पद प्रतीत होता है, क्योंकि उनके देश में खड़े होकर ही पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य नेता ने परमाणु युद्ध की धमकी दी। यह स्थिति अमेरिका की कूटनीतिक साख पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। सवाल उठता है कि क्या वाशिंगटन अपने मेहमानों के कट्टर और आक्रामक भाषणों को महज राजनीतिक बयानबाज़ी मानकर अनदेखा करता रहेगा। और क्या दुनिया ऐसे शांति प्रयासों को गंभीरता से लेगी, जिनके बीच ही परमाणु युद्ध की आशंका का सार्वजनिक प्रसारण हो रहा हो। मुनीर का यह बयान एक बार फिर याद दिलाता है कि पाकिस्तान की नीति में परमाणु हथियार सिर्फ रक्षा का साधन नहीं, बल्कि राजनीतिक और सामरिक दबाव का हथियार हैं– और यही वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसके अलावा, असीम मुनीर का अमेरिका में खड़े होकर भारत को परमाणु धमकी देना केवल सैन्य या कूटनीतिक बयान नहीं, बल्कि इसके पीछे एक गहरी आर्थिक मंशा भी झलकती है। पाकिस्तान की यह पुरानी रणनीति रही है कि जब भी उसकी आर्थिक हालत चरमरा जाती है, वह भारत के साथ तनाव बढ़ाकर और परमाणु युद्ध की आशंका पैदा करके वैश्विक वित्तीय संस्थाओं और दाता देशों पर दबाव बनाता है। इस बार भी यही पैटर्न दिखाई देता है– अंतरराष्ट्रीय मंच पर परमाणु धमकी देकर पाकिस्तान ने अप्रत्यक्ष रूप से विश्व बैंक, आईएमएफ और अन्य वित्तीय एजेंसियों को यह संदेश दिया कि अगर उसके भुगतान रोके गए तो दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। यह न्यूक्लियर ब्लैकमेल की रणनीति पाकिस्तान दशकों से अपनाता आ रहा है और कई बार उसे आपातकालीन वित्तीय पैकेज भी इसी दबाव के चलते मिल चुके हैं।समस्या यह है कि वैश्विक संस्थाएँ पाकिस्तान की इस रणनीति को भलीभांति जानती हैं, फिर भी क्षेत्रीय अस्थिरता के डर से उसके आगे झुक जाती हैं। यह प्रवृत्ति न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून और जिम्मेदार परमाणु आचरण के खिलाफ है, बल्कि इससे पाकिस्तान को यह गलत संदेश भी जाता है कि वह धमकी की राजनीति से आर्थिक लाभ उठाता रह सकता है। वास्तव में, यदि दुनिया सचमुच दक्षिण एशिया में स्थिरता चाहती है तो उसे इस तरह की परमाणु धमकियों को पुरस्कृत करने की बजाय इन पर कड़े आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंध लगाने की नीति अपनानी होगी। दूसरी ओर, भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने IIT मद्रास में स्पष्ट शब्दों में कहा– अगला युद्ध निकट हो सकता है और हमें इसकी तैयारी अभी करनी होगी। उन्होंन ÒWhole-of-Nation दृष्टिकोण पर ज़ोर देते हुए कहा कि इस बार लड़ाई सिर्फ सीमाओं पर तैनात सैनिक नहीं लड़ेंगे; नागरिक तैयारी, तकनीकी श्रेष्ठता और सूचना प्रबंधन उतने ही निर्णायक होंगे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण दिया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पीओके में सटीक हमले किए गए।

तस्वीरों की दुनिया

हरिद्वार में पिछले कई दिनों से हो रही लगातार बारिश से सड़कों की हालत बदतर हो गई है।

गुरुग्राम में मानसून के दौरान सड़क का एक हिस्सा धंस गया।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने से आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण गंगोत्री राजमार्ग के कई स्थानों पर अवरुद्ध या टूटने के बाद पुनर्निर्माण कार्य के दौरान मलबा हटाया जा रहा है।

यमन में भारत के राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान, रियाद में यमन के राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष रशद अल-अलीमी के साथ बैठक के दौरान।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पार्टी सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, डीएमके सांसद तिरुचि शिवा, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और अन्य को चुनाव धोखाधड़ी के मुद्दे पर संसद के मकर द्वार से भारत के चुनाव आयोग कार्यालय तक इंडिया ब्लॉक के सांसदों द्वारा विरोध मार्च के दौरान हिरासत में लिया गया।

समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव, जियाउर रहमान बर्क, अवधेश प्रसाद और अन्य लोग नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान कथित चुनाव धोखाधड़ी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

महंत दीपेंद्र गिरि और साधु भगवान शिव की पवित्र गदा छड़ी मुबारक लेकर जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में स्थित अमरनाथ गुफा से लौटते हुए।

अमेरिका और चीन के लिए आज का दिन अहम, टैरिफ लागू हुआ तो छिड़ सकता है व्यापार युद्ध, हिल सकती है दुनिया की अर्थव्यवस्था

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

अमेरिका और चीन के बीच व्यापार संघर्षविराम मंगलवार, 12 अगस्त को खत्म होने वाला है। अगर दोनों देश बातचीत का समय नहीं बढ़ाते या आखिरी वक्त पर कोई समझौता नहीं होता, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीनी आयात पर भारी टैरिफ फिर से लगा सकते हैं। इसके जवाब में चीन भी अमेरिकी सामान पर टैरिफ बढ़ा सकता है।पिछले महीने स्वीडन में हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के आर्थिक अधिकारी एक अस्थायी समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश में हैं। ट्रंप के सलाहकारों को उम्मीद थी कि राष्ट्रपति इस समझौते को मंजूरी दे देंगे, लेकिन अभी तक उन्होंने सार्वजनिक रूप से कोई समय विस्तार नहीं दिया।अगर टैरिफ फिर से लागू होते हैं, तो दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध और तेज हो सकता है, जिसने इस साल की शुरुआत में वैश्विक बाजारों को हिलाकर रख दिया था। सोमवार को व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान जब ट्रंप से इस डेडलाइन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कुछ भी साफ नहीं बताया।चीन के साथ संबंधों और टैरिफ पर छूट की समयसीमा बढ़ाने की संभावना पर ट्रंप ने कहा कि, हम चीन के साथ बहुत अच्छे से पेश आ रहे हैं। वे अमेरिका को भारी शुल्क दे रहे हैं। देखते हैं क्या होता है। वे भी काफी अच्छे से पेश आ रहे हैं। राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे हैं। खासकर तब, जब रविवार रात ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर चीन से अमेरिकी सोयाबीन की खरीद चार गुना करने की मांग की। इस साल अमेरिका और चीन के बीच तीन बार औपचारिक व्यापार वार्ता हुई। ट्रंप ने चीनी सामान पर टैरिफ बढ़ाकर 145 प्रतिशत तक कर दिया। जवाब में चीन ने अमेरिकी निर्माताओं के लिए जरूरी रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगा दी। तनाव कम करने के लिए 90 दिन का युद्धविराम हुआ, जिसमें अमेरिका ने अपने टैरिफ 30 प्रतिशत तक कम किए। और चीन ने अमेरिकी सामान पर टैरिफ 10 प्रतिशत किया और मैग्नेट निर्यात पर सहमति दी। जुलाई के अंत में स्वीडन में हुई बातचीत के बाद ट्रंप के सलाहकारों को उम्मीद थी कि युद्धविराम को 90 दिन और बढ़ाया जाएगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने कहा कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो चीनी आयात पर टैरिफ 80त्न तक बढ़ सकते हैं। हालांकि, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने इसे कम गंभीर बताते हुए कहा कि केवल तकनीकी मुद्दों को सुलझाने की जरूरत है। इधर, भले ही ट्रंप ने समयसीमा बढ़ाने के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा, लेकिन ट्रंप प्रशासन पहले ही इसे बढ़ाने के संकेत दे चुका है। अगर यह नहीं बढ़ी तो चीनी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़कर 145 प्रतिशत हो जाएगा। बातचीत अब सिर्फ टैरिफ तक सीमित नहीं है। बेसेन्ट ने बताया कि अमेरिका ने चीन की अतिरिक्त विनिर्माण क्षमता और रूस-ईरान से तेल खरीद पर चिंता जताई है। साथ ही, अमेरिकी माइक्रोचिप्स के निर्यात नियंत्रण पर भी चर्चा हो रही है, जो चीन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम के लिए चाहिए। ट्रंप प्रशासन ने सेमीकंडक्टर्स और अन्य उत्पादों की राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के बावजूद बातचीत में लेन-देन का रुख अपनाया है। एनविडिया और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज जैसी कंपनियों को चीन को एआई चिप्स बेचने से होने वाली आय का 15 प्रतिशत अमेरिका को देना होगा। यह एक अनोखा वित्तीय समझौता है। इस महीने अमेरिका ने जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय संघ के साथ कई व्यापार समझौते किए, जिनमें कम टैरिफ के बदले बड़े निवेश की बात हुई। दूसरी ओर, ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए टैरिफ को 50 प्रतिशत तक दोगुना कर दिया। हालांकि, चीन पर अभी ऐसी कार्रवाई नहीं हुई, जो रूसी तेल भी खरीदता है।ट्रंप के पहले कार्यकाल में दोनों देशों के बीच एक बड़ा व्यापार समझौता हुआ था, जिसमें चीन ने अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने का वादा किया था। लेकिन कोविड-19 महामारी के दौरान यह समझौता टूट गया और दोनों देशों के रिश्ते बिगड़ गए। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि वह शी चिनपिंग से मिलने को तैयार हैं, लेकिन केवल तभी अगर दोनों देश व्यापार समझौते पर सहमत हों। पिछले हफ्ते ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा था कि, ÷शी ने मुलाकात की मांग की है। अगर हम समझौता करते हैं, तो शायद साल के अंत तक मुलाकात हो सकती है। अगर समझौता नहीं हुआ, तो मैं मुलाकात नहीं करूंगा। हालांकि, ये कहना गलत नहीं होगा कि आज यानी 12 अगस्त का दिन पूरी दुनिया के हिसाब से बहुत बड़ा दिन होने वाला है।

पुणे में मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं से भरी वैन खाई में गिरी 10 महिलाओं की मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

पुणे, 12 अगस्त [एजेंसी]।

महाराष्ट्र के पुणे में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। एक पहाड़ी इलाके में एक पिकअप वैन के सड़क से गिर जाने से मंदिर जा रही दस महिलाओं की मौत हो गई और 29 लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर शोक व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।एक पुलिस अधिकारी ने प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए बताया कि वैन में करीब 40 यात्री सवार थे, जिसमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। वाहन दोपहर करीब एक बजे चालक के नियंत्रण खो देने के बाद सड़क से उतरकर 25 से 30 फीट नीचे जा गिरा। पीड़ित पापलवाड़ी गांव के रहने वाले थे और श्रावण मास के शुभ सोमवार को मनाने के लिए खेड़ तहसील में श्री क्षेत्र महादेव कुंडेश्वर मंदिर जा रहे थे। स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। अधिकारी ने बताया, 10 महिलाओं की मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि 10 एम्बुलेंसों ने घायलों को निकटवर्ती अस्पतालों में पहुंचाया।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पुणे में हुई दुर्घटना में हुई लोगों की मौत से उन्हें गहरा दुख हुआ है। पीएमओ ने कहा, दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की।

जेएसडब्ल्यू स्टील की 19,700 करोड़ रुपये की समाधान योजना पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कर्ज में डूबी भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील की 19,700 करोड़ रुपये की समाधान योजना से संबंधित याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवाई, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और के विनोद चंद्रन की विशेष पीठ ने ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जेएसडब्ल्यू स्टील के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल और पूर्व प्रमोटरों के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव मेहता से तर्क सुने।प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने 31 जुलाई को अपने 2 मई के निर्णय को वापस लेते हुए बीपीएसएल के परिसमापन का आदेश दिया था और जेएसडब्ल्यू की समाधान योजना को खारिज कर दिया था। इस योजना में सीओसी, समाधान पेशेवर, और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के आचरण की आलोचना की गई थी, जिसे दिवालियापन और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) का स्पष्ट उल्लंघन कहा गया था। एक प्रमुख मुद्दा यह था कि समाधान अवधि के दौरान ब्याज, कर, मूल्यह्रास और अमोर्टाइजेशन (ईबीआईटीडीए) का लाभ लेनदारों को मिलना चाहिए या कंपनी के पास रहना चाहिए। सीओसी 3,569 करोड़ रुपये के ईबीआईटीडीए और 2,500 करोड़ रुपये विलंब ब्याज के तौर पर मांग रहा है।

अमेरिका में स्टील कोकिंग प्लांट में धमाका, मजदूर बोले- ऐसा लगा जैसे बिजली गिरी, 1 की मौत

क्लेरटन, 12 अगस्त [एजेंसी]।

पेंसिल्वेनिया में पिट्सबर्ग के निकट एक स्टील कोकिंग प्लांट में सोमवार को हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना में दर्जनों लोग घायल हो गए या मलबे में फंस गए है। आपातकालीन कर्मी उन्हें बचाने के लिए जुटे हैं।विस्फोट के कारण मोनोंघेला घाटी में दोपहर के समय आसमान में धुआं छा गया। यह क्षेत्र एक सदी से भी अधिक समय से इस्पात का केंद्र रहा है। एलेघेनी काउंटी की आपातकालीन सेवाओं की प्रवक्ता केसे रीगनर ने बताया कि विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य के लापता होने की आशंका है। रीगनर ने बताया कि कई अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है। एलेघेनी काउंटी आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि संयंत्र में आग स्थानीय समानुसार सुबह करीब 10.51 बजे लगी। विस्फोट से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और अधिकारियों ने निवासियों से घटनास्थल से दूर रहने को कहा ताकि आपातकालीन कर्मचारी तुरंत कार्रवाई कर सकें। घटनास्थल के पास एक निर्माण मजदूर ने बताया कि दुर्घटना के समय ऐसा लगा जैसे बिजली गिरी हो।

3200 करोड़ का बीमा क्लेम पाकर किसानों के खिले चेहरे अकेले MP- राजस्थान को 2 हजार करोड़ से ज्यादा का भुगतान

जयपुर, 12 अगस्त [एजेंसी]।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के लगभग 30 लाख किसानों को 3200 करोड़ रुपये की बीमा क्लेम राशि सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित की। इस राशि में मध्य प्रदेश के लिए 1,156 करोड़, राजस्थान के लिए 1,021 करोड़, छत्तीसगढ़ के लिए 150 करोड़ और अन्य राज्यों के लिए 773 करोड़ रुपये शामिल हैं। राजस्थान के झुंझुनूं में आयोजित किसान सम्मेलन में चौहान ने रबी सीजन 2024-25 और खरीफ सीजन 2024 की बीमा राशि की पहली किस्त डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में भेजी। राजस्थान में जुलाई 2025 तक प्रधानमंत्री फसल योजना के तहत 1.48 लाख पात्र पॉलिसीधारक किसानों को 3,912.53 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम का भुगतान किया जा चुका है। इस अवसर पर चौहान ने कहा कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

उन्होंने स्वदेशी अपनाने की अपील की और कहा कि हमें अपने देश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे भारत को बदनाम करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल और अन्य नेता विदेश में जाकर भारत की बुराई करते हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी एवं प्रदेश के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा भी मौजूद रहे।

भारत पर टैरिफ थोपे जाने से खुश नहीं हैं अमेरिकी सर्वे में डोनाल्ड ट्रंप के फैसले का हुआ विरोध

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ थोपे जाने से कई अमेरिकी नाराज हैं। कई लोगों ने यह माना है कि अमेरिका को भारत पर रूसी तेल लेने के लिए टैरिफ नहीं लगाना चाहिए था। यह सर्वेक्षण एक अमेरिकी थिंक टैंक ने किया है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से क्रुड ऑयल खरीदे जाने के भारत के फैसले पर नाराजगी जताई थी और भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया था। इसके साथ ही भारत पर लगने वाला कुल टैरिफ 50 फीसदी हो गया है। डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के सर्वेक्षण में सामने आया है कि 53 फीसदी लोगों ने ट्रंप के इस फैसले को गलत बताया है, जबकि 43 फीसदी इसके समर्थन में हैं। सर्वेक्षण के दौरान लोगों से पूछा गया था कि क्या ट्रंप के नए टैरिफ अमेरिका के लिए अच्छे हैं। इस पर अमेरिकी लोगों की प्रतिक्रिया पक्ष और विपक्ष में लगभग बराबर थी। 53 फीसदी लोगों ने माना कि उन्हें भारत सरकार और लोगों के सामने अमेरिका की छवि की परवाह है। सर्वेक्षण में 64 फीसदी लोगों का मानना था कि वैश्विक स्तर पर भारत का बढ़ता प्रभाव एक अच्छी बात है।वहीं कई लोगों ने पीएम मोदी की सरकार को एक सफल सरकार और विश्वसनीय सहयोगी के रूप में माना। सर्वे में भाग लेने वाले 59 फीसदी लोगों का मानना था कि पीएम मोदी का नेतृत्व अमेरिका के लिए अच्छा है। हालांकि सर्वे में भाग लेने वाले 60 फीसदी से अधिक लोगों ने आश्चर्यजनक रूप से एच-1बी पेशेवर वीजा कार्यक्रम को समाप्त करने का समर्थन किया।यह टेलीफोन सर्वेक्षण 3 अगस्त से 5 अगस्त के बीच 1500 संभावित अमेरिकी मतदाताओं के बीच किया गया था। डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के संस्थापक निदेशक पोलस्टर पैट्रिक बाशम ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ के प्रबल समर्थक मतदाताओं द्वारा भारत के प्रति समर्थन जताना आश्चर्यजनक है।

महाराष्ट्र में 20 साल की लड़की से सामूहिक दुष्कर्म, 4 पर आरोप

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के बीड ज़िले में तेलंगाना की एक 20 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया, जिसके बाद पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि कल रात परली रेलवे स्टेशन पर अकेली महिला को देखकर एक आरोपी ने किसी बहाने से उसे बहकाया। वह महिला को अपनी मोटरसाइकिल पर एक टिन शेड में ले गया जहां तीन अन्य लोग भी उसके साथ आ गए। शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात तीनों लोगों ने महिला के साथ बलात्कार किया, जबकि चौथे व्यक्ति ने उनकी मदद की।अंबाजोगाई ग्रामीण पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत चार लोगों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार, आपराधिक धमकी और जानबूझकर चोट पहुँचाने का मामला दर्ज किया गया है।

कमी कानून में नहीं, एजेंसी के दुरुपयोग में, ईडी जांच मामले में भूपेश बघेल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मनी लांड्रिंग अधिनियम के एक प्रविधान के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई से इनकार कर दिया। यह प्रविधान ईडी को धन शोधन मामलों में पूरक चार्जशीट दाखिल करने का अधिकार देता है।बघेल को हाईकोर्ट जाने की सलाह देते हुए कोर्ट ने कहा कानून में दिक्कत नहीं है, बल्कि समस्या उसके गलत इस्तेमाल से है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जायमाल्या बागची की पीठ ने मनी लांड्रिंग कानून (पीएमएलए) की धारा 44 की संवैधानिक वैधता की जांच करने से इनकार करते हुए कहा कि सत्य की खोज में साक्ष्यों को उजागर करने पर कोई रोक नहीं लगाई जा सकती। कोर्ट ने कहा कि यदि बघेल को ऐसा लगता है कि ईडी अधिकारी 2022 के उच्चतम न्यायालय के निर्णय का पालन नहीं कर रहे हैं, तो वे उच्च न्यायालय में अपनी बात रख सकते हैं।भूपेश बघेल की याचिका मनी लांड्रिंग कानून की धारा 44 में दिए गए एक स्पष्टीकरण के खिलाफ थी। इस स्पष्टीकरण के मुताबिक, अगर ईडी किसी केस में एक शिकायत दर्ज कर चुकी है, तो आगे की जांच में मिले नए सबूतों के आधार पर वह एक और शिकायत भी दर्ज कर सकती है। इसमें यह जरूरी नहीं है कि नए आरोपित का नाम पहले वाली शिकायत में हो। बघेल का कहना था कि इस प्रविधान के जरिए ईडी एक ही मामले में टुकड़ों-टुकड़ों में अलग-अलग शिकायतें दर्ज करती रहती है।

इससे केस लंबा खिंचता है, सुनवाई में देरी होती है और आरोपी का निष्पक्ष सुनवाई का हक प्रभावित होता है। अदालत ने ये कहा न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची ने साफ कहा कि ये प्रविधान एक सक्षम बनाने वाला प्रावधान है। समस्या कानून में नहीं, बल्कि एजेंसी द्वारा उसके दुरुपयोग में है। उन्होंने कहा कि जांच हमेशा अपराध के आधार पर होती है, न कि केवल किसी एक आरोपी के खिलाफ। अगर आगे की जांच से सच सामने आता है, तो उस पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने भी यही कहा कि आगे की जांच आरोपी के हित में भी हो सकती है, क्योंकि इसमें यह भी साबित हो सकता है कि वह अपराध में शामिल नहीं है।

इनकम टैक्स बिल 2025 लोकसभा से पास 60 साल पुराने कर कानून में हुआ बदलाव

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को लोकसभा में इनकम टैक्स बिल 2025 को पेश किया जिसे सदन ने पारित कर दिया। अब बिल को राज्य सभा में पेश किया जाएगा और फिर राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। यह बिल इनकम टैक्स कानून 1961 की जगह लेगा। अगले साल एक अप्रैल से नए कानून को लागू किया जा सकता है।इस बिल को इस साल फरवरी में प्रवर समिति के पास भेजा गया था। प्रवर समिति ने बिल में 285 बदलाव करने का सुझाव दिया था जिसे पूरी तरह से स्वीकार लिया गया।नए बिल के माध्यम से टैक्स कानून को सरल बनाने की कोशिश की गई है। पेज की संख्या आधी कर दी गई है और अप्रासंगिक हो चुके प्रविधान को हटा दिया गया है।उदाहरण के लिए अभी इनकम टैक्स रिटर्न भरने के दौरान मूल्यांकन वर्ष और वित्त वर्ष का उल्लेख करना होता था। नए कानून में सिर्फ टैक्स ईयर का उल्लेख करना होगा और जिस वित्तवर्ष का टैक्स भरा जाएगा उसे ही टैक्स ईयर कहा जाएगा। टैक्स की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। छोटे टैक्सपेयर्स की सहूलियत का ख्याल रखते हुए उन्हें कुछ सुविधाएं भी दी गई है। जैसे अब समय बीत जाने के बाद भी टैक्स रिटर्न भरने पर उन्हें रिफंड मिल सकेगा। एमएसएमई की नई परिभाषा को टैक्स प्रविधान से जोड़ दिया गया है। तय समय सीमा के नौ महीने के अंदर आईटीआर भरा जा सकेगा। चार साल पहले के टैक्स इयर के अपडेटेड रिटर्न भी भरने की सुविधा दी गई है। नए बिल के लागू होने पर टैक्सपेयर्स को अपने सभी खर्च और आय का बिल्कुल ध्यान रखना होगा। अगर आपके खाते में कोई ऐसी राशि दिख रही है जिसका हिसाब विभाग को नहीं दिख रहा है तो उस राशि के बारे में पूछा जा सकता है और संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर उस राशि को आय मान लिया जाएगा।वैसे ही, किसी खर्च का विवरण आईटीआर में नहीं है और उस खर्च के बारे में विभाग को संतोषप्रद जवाब नहीं दिया जाता है तो उसे भी आय मान लिया जाएगा। टैक्स अधिकारियों को नए बिल में सशक्त बनाया गया है।टैक्स अधिकारी बुक एकाउंट को जांच के लिए 15 दिनों तक रख सकते हैं। नए बिल में के प्रविधान के मुताबिक सर्च के दौरान सभी डिजिटल डक्यूमेंट्स जैसे कि फोन, लैपटॉप, ईमेल या अन्य डिजिटल उपकरण को टैक्स अधिकारी अपने कब्जे में ले सकता है। अधिकारी यह बताने के लिए बाध्य नहीं होगा कि किसी टैक्सपेयर्स के यहां सर्च ऑपरेशन क्यों चलाया गया है।

जांच करने वाले अधिकारी के रवैये से संतुष्ट नहीं होने पर संयुक्त आयुक्त के यहां अपील की जा सकती है।वित्त मंत्रालय के मुताबिक टैक्स प्रशासन को पहले के मुकाबले अधिक सक्षम और पारदर्शी बनाया गया है। रिटर्न को भरने के लिए एनुअल इंफार्मेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। एआईएस टैक्सपेयर्स का लेखा-जोखा तैयार करने के लिए थर्ड पार्टी से डाटा हासिल करता है। रिटर्न के प्रोसेसिंग समय को काफी कम करने का लक्ष्य रखा गया है ताकि रिफंड को और तेज किया जा सके।

बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस का बड़ा दांव... खरगे की डिनर पार्टी में वो भी आए, जो कांग्रेस से बना रहे थे दूरी

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया। इस डिनर में शरद पवार, सोनिया गांधी और राहुल गांधी जैसे नेता शामिल हुए। यह रात्रिभोज बिहार में मतदाता सूची संशोधन और कथित चुनावी धांधली के खिलाफ विपक्ष को फिर से एकजुट करने के लिए हुआ। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, डिंपल यादव और जया बच्चन, द्रमुक की के. कनिमोझी और टीआर बालू, राजद की मीसा भारती, शिवसेना के संजय राउत और प्रियंका चतुर्वेदी, कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा सहित कई विपक्षी सांसदों ने यहां होटल ताज पैलेस में आयोजित रात्रिभोज में भाग लिया। हालांकि रात्रिभोज में ज्यादातर इंडिया ब्लॉक के सांसद मौजूद थे, लेकिन आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह और संदीप पाठक, जो इस समूह का हिस्सा नहीं हैं, वह भी इस दीनार में शामिल हुए।यह रात्रिभोज उस बैठक के कुछ ही दिन बाद हो रहा है जिसमें भारत के शीर्ष नेताओं ने एकजुटता दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास पर रात्रिभोज दिया था।

इस बैठक में उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के साथ-साथ भाजपा और चुनाव आयोग के वोट चोरी मॉडल के खिलाफ लड़ने का संकल्प लिया था।लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद, जून 2024 में खड़गे के आवास पर हुई पिछली मुलाकात के बाद से विपक्षी खेमे के शीर्ष नेताओं की यह पहली प्रत्यक्ष बैठक थी।

उस बैठक के दौरान, राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के माध्यम से भाजपा द्वारा कथित रूप से अपनाए जा रहे वोट चोरी मॉडल पर अपनी बात रखी।इससे पहले सोमवार को, राहुल गांधी, खड़गे और पवार सहित विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण और कथित वोट चोरी के खिलाफ संसद भवन से चुनाव आयोग कार्यालय तक एक विरोध मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और कुछ देर के लिए हिरासत में ले लिया।

टीवी देखते-देखते करें ये एक्सरसाइज, रहेंगे फिट

अगर आपको रोजमर्रा की एक्सरसाइज उबाऊ लगती है और आप इसे करने में आलस करते हैं तो टीवी देखते हुए ही एक्सरसाइज करना शुरू कर सकते हैं। इससे आपको एक्सरसाइज करने में बोरियत नहीं होगी और आप फिट भी रहेंगे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें आप टीवी देखते हुए ही कर सकते हैं और इससे आपका कोई समय बर्बाद भी नहीं होगा।

काउच पुश-अप्स

काउच पुश-अप्स एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी काउच के किनारे पर हाथ रखकर पुश-अप्स करने हैं। यह आपकी छाती, कंधे और बाजुओं को मजबूत बनाता है। इसके अलावा यह आपकी पीठ की मांसपेशियों को भी टोन करता है। इसे करने के लिए काउच के किनारे खड़े होकर हाथों को काउच पर रखें, फिर शरीर को नीचे-ऊपर करें। यह कसरत आराम से की जा सकती है।

स्क्वाट्स

स्क्वाट्स एक सरल और असरदार एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले खड़े होकर अपने घुटनों को हल्का मोड़ें और फिर धीरे-धीरे नीचे की ओर बैठें जैसे कि आप कुर्सी पर बैठ रहे हों। इस दौरान अपनी पीठ को सीधा रखें और हाथों को सामने फैलाएं। यह एक्सरसाइज आपके पैरों, नितंबों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। नियमित अभ्यास से आपको बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

स्पॉट मार्चिंग

स्पॉट मार्चिंग एक आसान और असरदार एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस जगह पर खड़े होकर पैर उठाने होंगे जैसे चल रहे हों। यह आपके दिल की सेहत को बढ़ाता है और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसे करने के लिए खड़े होकर धीरे-धीरे पैर उठाएं और नीचे रखें। यह कसरत आराम से की जा सकती है, जिससे आपको कोई परेशानी नहीं होगी।

लेग सर्कल्स

लेग सर्कल्स एक सरल और असरदार एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी टांगों को हवा में उठाकर गोल गोल घुमाना होगा। यह आपकी पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पैरों की टोनिंग करता है। इसे करने के लिए पीठ के बल लेटें, फिर एक पैर को ऊपर उठाकर गोलाकार गति में घुमाएं। इस प्रक्रिया को दूसरे पैर से भी दोहराएं।

बैठे-बैठे पैर उठाना

बैठे-बैठे पैर उठाना एक आसान और असरदार कसरत है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी टांगों को ऊपर उठाना होगा जैसे कि कुर्सी पर बैठे हों। यह आपकी पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पैरों की टोनिंग करता है। इसे करने के लिए कुर्सी पर बैठकर दोनों पैरों को ऊपर उठाएं, फिर धीरे-धीरे नीचे रखें। इस प्रक्रिया को कुछ बार दोहराएं।

म्यूजिक वीडियो एक आसमान था रिलीज, अकांक्षा पुरी बोलीं- शानदार रहा अनुभव

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी का नया म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' रिलीज हो चुका है। पुरी के मुताबिक इसका रफ वर्जन सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो गए थे। म्यूजिक वीडियो में अकांक्षा के साथ को-स्टार सनम जौहर हैं। वीडियो में थीम को शानदार अंदाज में पेश किया गया है।

अकांक्षा ने कहा, शुरुआत में मुझे थोड़ा डर था, क्योंकि मैं सनम से पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन, वह इतने सहज एक्टर हैं कि हमारी केमिस्ट्री तुरंत बन गई। लोग शायद यकीन न करें कि हम पहली बार शूटिंग के दौरान मिले! सनम अपनी डांसिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस वीडियो में डांस से ज्यादा भावनात्मक तालमेल की जरूरत थी।

अकांक्षा ने बताया, यह गाना कोरियोग्राफी के बारे में नहीं, बल्कि भावनाओं को जोड़ने का था। हमारी केमिस्ट्री स्वाभाविक रूप से बन गई।अकांक्षा पहले भी इस प्रोडक्शन टीम के साथ 'बरसातें अच्छी लगती हैं' गाने में काम कर चुकी हैं। उनका अनुभव शानदार रहा।

जब टीम ने उन्हें इस गाने के लिए संपर्क किया, तो वह तुरंत इससे जुड़ गईं।उन्होंने कहा, म्यूजिक वीडियो आपको अपनी स्टाइल और अभिनय की सीमाओं को आजमाने का मौका देते हैं। शूटिंग तेज और एनर्जेटिक होती है, जो दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाती है।

मुझे गाने के ऑफर हमेशा उत्साहित करते हैं। यह लंबे फॉर्मेट के अभिनय या फिल्म में एक्टिंग से अलग अनुभव देता है।अकांक्षा ने 2013 में तमिल फिल्म 'एलेक्स पांडियन' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साल 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' से बॉलीवुड में कदम रखा। साल 2017 में वह टीवी सीरियल 'विघ्नहर्ता गणेश' में माता आदि पराशक्ति के किरदार में दिखीं। वह रियलिटी शो 'स्वयंवर - मीका दी वोटी' की विनर भी रह चुकी हैं।

दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू 41 का हुआ शुभारंभ

सीता रामम और लकी भास्कर जैसी तेलुगु फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुके दुलकर सलमान ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की है। उन्होंने

शुभारंभ की कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इस लॉन्च पर साउथ नेचुरल स्टार नानी भी नजर आए। हैदराबाद में एक बड़े लॉन्च इवेंट में दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की गई। इस मौके पर साउथ स्टार नानी, जो दुलकर के अच्छे दोस्त हैं, उन्होंने शुभ मुहूर्त शॉट के लिए क्लैपबोर्ड बजाया। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर इस इवेंट की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें दुलकर और नानी नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म एक दिल को छूने वाली प्रेम कहानी है, जिसका पूजा समारोह भव्य रूप से हुआ। इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, बहुप्रतीक्षित डीक्यू41 - एक दिल को छू लेने वाली समकालीन प्रेम कहानी - एक पूजा समारोह के साथ भव्य रूप से लॉन्च हुई। निर्देशक बुची बाबू सना ने कैमरा शुरू किया, जबकि नानी, गुन्नम संदीप और राम्या गुन्नम ने स्क्रिप्ट सौंपी। पहला शॉट रवि नेलाकुदिति ने खुद डायरेक्ट किया। इस मौके पर निर्देशक श्रीकांत ओडेला भी मौजूद थे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

संगीत बच्चों की कम उम्र से ही करता है भावनाओं को पहचानने में मदद

संगीत एक ऐसी कला है, जो मन को सुकून देकर खुशी महसूस करवाने का जादू रखती है। चाहे हम खुश हों या उदास हों, संगीत सभी भावनाओं को व्यक्त करने का जरिया माना जाता है। बड़ों के लिए अपनी भावनाओं को समझना आसान होता है, लेकिन बच्चे ऐसा नहीं कर पाते हैं। ऐसे में संगीत उनका सहारा बन सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक, संगीत छोटे बच्चों की कम उम्र से ही भावनाओं को पहचानने में मदद कर सकता है।

फिलाडेल्फिया के पेन स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज के मनोविज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन किया है। वे संगीत के माध्यम से भावहीन व्यवहार से जुड़े लक्षणों वाले बच्चों की भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहते थे। जो बच्चे सहानुभूति या अपराधबोध जैसी भावनाओं का अभाव महसूस करते हैं, उनके आक्रामक होने का खतरा ज्यादा रहता है। इसी कारण से शोधकर्ता छोटी उम्र से ही बच्चों को संगीत के माध्यम से भावबोधक बनाने की कोशिश में जुटे थे।

शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के लिए फिलाडेल्फिया के 3 से 5 साल की आयु वाले 144 बच्चों की जांच की थी। उन्हें 5-5 सेकंड की संगीत क्लिप सुनाई गई थी। इनके जरिए यह देखने का प्रयास किया गया था कि वे खुशी, उदासी, शांति या भय को कितनी अच्छी तरह पहचानते हैं। यह अध्ययन उन बच्चों के सामुदायिक नमूने पर किया गया, जिनमें समग्र रूप से कठोर-भावनाहीन लक्षणों का स्तर कम था।

इस अध्ययन के नतीजों को चाइल्ड डेवलपमेंट पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। इसमें सामने आया कि बच्चे संगीत के माध्यम से भावनाओं की पहचान ज्यादा सटीकता से कर सकते हैं। उम्र के साथ उनका प्रदर्शन भी बेहतर होता जाता है। इसके अलावा, पाया गया कि जिन बच्चों के माता-पिता उन्हें कठोर-भावनाहीन वाले लक्षणों में ज्यादा अंक देते हैं, वे संगीत में भावनाओं की पहचान कम कर पाते हैं। हालांकि, उन्हें डरावना संगीत पहचानने में ज्यादा मुश्किल नहीं होती।

इस अध्ययन की सह-वरिष्ठ लेखिका एसोसिएट प्रोफेसर रेबेका वालर ने कहा, हमें पता चला है कि बच्चे 3 साल की उम्र में भी भावनाओं को सही भावनात्मक संगीत से मिलाने में अच्छे होते हैं। यह इस बात पर जोर देता है कि संगीत भावनात्मक समाजीकरण और सामाजिक कौशल शिक्षण के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। नतीजे साफ तौर पर कहते हैं कि संगीत सुनने से बच्चे अपनी भावनाओं को समझना और व्यक्त करना सीख सकते हैं।

सबसे दिलचस्प निष्कर्षों में से एक यह है कि चेहरे के भावों की तुलना में संगीत से भावना पहचान में अंतर होता है। अध्ययन के मुताबिक, कठोर-भावनाहीन लक्षणों वाले बच्चों को चेहरे के भावों से संकट को पहचानने में अधिक कठिनाई होती है। शोधकर्ताओं को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि कठोर-भावनाहीन लक्षणों वाले बच्चे भी संगीत सुनकर भय को पहचानने में सक्षम थे। इससे पता चलता है कि संगीत भावना पहचानने के लिए अद्वितीय रूप से उपयुक्त हो सकता है।

फूलों के जाल में यूं सजी जान्हवी कपूर, बदन पर लपेटी साड़ी-ब्लाउज का ऐसा डिजाइन देखते रह गए सब

जान्हवी कपूर की साडियों का लुक अक्सर वायरल होता रहता है, हालांकि जान्हवी का ये फूलों की साड़ी वाला लुक सबसे ज्यादा शानदार है। गुलाबी और सफेद के खूबसूरत कलर कॉम्बिनेशन वाली ये फूलों की साड़ी में जान्हवी किसी स्वर्ग की अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। इस साड़ी की एक एक बात बहुत ही ज्यादा खास है।

जान्हवी कपूर ने हालिया इवेंट के लिए ये वाली फूलों से बनी साड़ी पहनी थी। लेटेस्ट और बहुत ही ट्रेंडी लुक की इस साड़ी में जान्हवी के कर्व्स काफी हाइलाइट हो रहे थे।

उल्टा ओपन पल्ला ड्रेप के साथ जान्हवी ने ये साड़ी पहनी थी। मोगरे की कलियों से और गुलाबी रंग के छोटे छोटे फूलों से बनी इस साड़ी का लुक बहुत ही यूनिक था।

पिंक साड़ी के साथ जान्हवी ने इस फूलों की चादर को अलग से ड्रेप किया था। ओपन लुक में इसका लुक और भी ज्यादा उभरकर आ रहा था। साड़ी के पल्ले की बॉर्डर भी झालर पैटर्न में थी और लुक में चार चांद लगा रही थी। वहीं ब्लाउज के साथ तो लुक और परफेक्ट लगा।

खूबसूरत साड़ी के साथ जान्हवी का प्रिंसेस लुक वाला ब्रालेट ब्लाउज काफी सूट कर रहा था। इस ब्लाउज पर भी फूलों का वर्क था। ब्रालेट पैटर्न के ब्लाउज का बैक डिजाइन भी कुछ कम नहीं था। इस साड़ी के साथ काफी ऑम्ब्रे इफेक्ट आ रहा था।

शब्द सामर्थ्य -137

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छींक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

1	2		3	■	4	5	■	■
6		■	7				8	■
9		10		■		■	11	
12			■	13		14		■
■	15				■		■	16
17	■		■	18			■	
19		■	■	■	■	20	21	
	■	22		23		■	24	
25			■	26				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 136 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

फिल्म सिला से करण वीर मेहरा का विलेन के रूप में आया पहला लुक

बॉलीवुड में जब भी किसी खतरनाक विलेन की बात होती है तो दर्शक कुछ डरावना देखने की उम्मीद करते हैं। बस इसी को ध्यान में रखते हुए करण वीर मेहरा अपनी नई फिल्म में विलेन की भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। जी हां, उनकी आने वाली फिल्म 'सिला' में उनके खलनायक अवतार 'जहराक' की पहली झलक सामने आई है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

निर्देशक ओमंग कुमार, जो 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी सशक्त फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब 'सिला' नाम की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में लीड रोल में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब दिखाई देंगे, लेकिन जो सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है, वो है करण वीर मेहरा का खतरनाक और आक्रामक विलेन लुक। करणरी ने अपने इस लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जो अब फैंस को काफी पसंद आ रहा है। साथ ही ये ऐसा लुक है जिससे करणवीर बिल्कुल भी पहचान में ही नहीं आ रहे हैं।

नगर पालिका प्रशासन व ठेकेदार की लापरवाही से आवागमन ठप्प

बिना सार्वजनिक सूचना के बाधित कर दिया गया मुख्य मार्ग * 5 दिनों में भी नहीं हो पाया 15 फीट का मरम्मत कार्य

कोरिया चरचा कालरी। नगर पालिका शिवपुर चर्चा के मुख्य मार्ग पर, पुराने पुलिस थाना भवन के समीप, मरम्मत कार्य के नाम पर ठेकेदारों द्वारा खुलेआम मनमानी की जा रही है। इस स्थान पर सड़क के एक किनारे से दूसरे किनारे तक एसईसीएल चरचा कालरी प्रबंधन की सीवरेज पाइपलाइन गुजरी थी, जिसे मरम्मत के दौरान खोदा गया। नियम के अनुसार, पाइपलाइन खोदने के बाद मिट्टी भरना और सड़क को पूर्व स्थिति में लाना ठेकेदार की जिम्मेदारी होती है, लेकिन कॉलरी के सिविल विभाग के अधिकारियों की अनदेखी से यह कार्य अधूरा छोड़ दिया गया।

चर्चा कालरी क्षेत्र में लगभग 25,000 की आबादी है और इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में स्कूली बच्चे बैकुंठपुर आना-जाना करते हैं इसके अतिरिक्त हजारों लोग जिला मुख्यालय वह समीपवर्ती क्षेत्र में आवागमन करते हैं पालिका क्षेत्र में यही एकमात्र रास्ता है जो नेशनल हाईवे से पालिका क्षेत्र को जोड़ता है इस वजह से इस मार्ग पर वाहनों का भारी दबाव भी रहता है इस बात से पालिका प्रशासन वाकिफ है ऐसे में आठ अगस्त को, रक्षाबंधन से ठीक एक दिन पहले, नगर पालिका द्वारा सड़क की खुदाई और ढलाई का कार्य शुरू कर दिया गया, जबकि प्रशासन और ठेकेदार को पता था कि अगले दिन नव अगस्त को राखी का त्यौहार है और बहनों को अपने भाइयों तक पहुंचने के लिए इसी मार्ग से आना-जाना होगा। लेकिन बहनों के प्रति न कोई संवेदना दिखाई दी, न सुविधा की चिंता। नव अगस्त के दूसरे दिन अर्थात दस अगस्त को पालिका क्षेत्र में साप्ताहिक बाजार लगता है, साप्ताहिक बाज़ार के दिन, इस मार्ग पर भारी संख्या में ग्रामीण और व्यापारी आते हैं, पर सड़क अवरुद्ध होने से सभी को कठिनाई झेलनी पड़ी। विगत चार दिन से इस महत्वपूर्ण मार्ग परआवागमन बाधित है, लेकिन न कोई ठोस कार्यवाही, न जनहित में सार्वजनिक सूचना। उलटे, कार्य को शीघ्र पूरा करने के बजाय विलंब ही किया जा रहा है। दो दिनों के पश्चात

पंद्रह अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्व से पहले भी यही हालात बने रहने के आसार हैं, जबकि इस दौरान भी मार्ग पर भीड़ और गतिविधियां अधिक रहेंगी। अत्यंत महत्वपूर्ण मुख्य मार्ग के इस महत्वपूर्ण मरम्मत कार्य के तहत मात्र10 फीट चौड़ाई व 15 फीट लंबाई मैं कंक्रीट ढलाई करना था जो अभी तक अधूरा पड़ा है इस प्रकार के कार्य नगर पालिका प्रशासन की कार्यशैली पर सवालिया प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हैं सवाल यह है कि नगर पालिका और ठेकेदार इतने महत्वपूर्ण कार्य के समय और प्रबंधन को लेकर इतने लापरवाह क्यों हैं? क्या जिम्मेदारों को अपनी जिम्मेदारी का ज़रा भी एहसास है? स्थानीय नागरिकों का कहना है, अगर कोई आम नागरिक सड़क बाधित करता है तो तुरंत कार्रवाई होती है, फिर नगर पालिका द्वारा बिना सूचना सड़क बंद करना किस कानून के तहत उचित है? अब ज़रूरी है कि विलंबित निर्माण कार्य तुरंत पूरा कर सड़क को चालू किया जाए और लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई हो।

कोरिया जिले में जिलास्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल होंगे मुख्य अतिथि

कोरिया बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के जिलास्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथियों की सूची जारी कर दी है। कोरिया जिले में इस बार जिलास्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बिलासपुर विधानसभा के विधायक अमर अग्रवाल होंगे। वे ध्वजारोहण करेंगे और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश वाचन करेंगे। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह जिला मुख्यालय बैकुंठपुर स्थित शासकीय आदर्श रामानुज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्था की तैयारियां सम्बंधित विभागों द्वारा कार्य किए जा रहे हैं।

मोबाईल दुकान से सेकेण्ड हेण्ड मोबाईल चोरी के मामले में 1 आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यो, चोरी-नकबजनी करने वालों के विरूद्ध लगातार कड़ी कार्यवाही कर रही है। 07.08.2025 को स्थानीय राम मंदिर रोड़ निवासी शिवम गुप्ता ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका केतका रोड़ सूरजपुर में शुभारंभ मोबाईल दुकान है जिसका यह संचालन करता है जिसमें नया एवं सेकेण्ड हैण्ड मोबाईल का स्पेयर पार्टस खरीदी-बिक्री का काम करता है। 06.08.25 को दुकान में राजू नाम का व्यक्ति आया और सेकेण्ड हेण्ड मोबाईल खरीदने की बात कहकर मोबाईल देखने लगा इसी दौरान दुकान में अन्य ग्राहकों के आने से भीड़ हो गया इसी दौरान राजू 2 मोबाईल चोरी कर ले गया। 07.08.25 को राजू फिर इसके दुकान आकर पुराना मोबाईल दिखाने को बोला और मौके का फायदा उठाकर 1 मोबाईल चोरी कर भाग गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। थाना सूरजपुर पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान दबिश देकर आरोपी राजू पिता बीरलाल गढ़ेवाल उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम पंडरीपानी, थाना उदयपुर, जिला सरगुजा को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने मोबाईल चोरी करना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर चोरी 3 नग मोबाईल कीमत 45 हजार रूपये एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे व उनकी टीम सक्रिय रही।

सूरजपुर पुलिस ने खोजा अगवा किये गए बालक को, चुनौती खत्म

सूरजपुर। थाना सूरजपुर अन्तर्गत एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका 16 वर्षीय पुत्र 06.08.2025 की सुबह 8 बजे घर से बिना बताए कहीं चला गया जिसकी काफी खोजबीन करने पर नहीं मिला, किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है। सूचना पर थाना सूरजपुर में गुम इंसान कायमी उपरान्त अपहरण की धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने महिला एवं बच्चों के विरूद्ध अपराध पर संवेदनशील होकर शीघ्रता से कार्यवाही करते हुए अपहृत को दस्तयाब करने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर पुलिस के द्वारा अपहृत बालक की लगातार पतासाजी करने के दौरान तकनीक की मदद ली गई जिससे ज्ञात हुआ कि वर्तमान में अपहृत बालक रायपुर में है जिसके बाद पुलिस टीम विधिवत् रायपुर के लिए रवाना हुई और गहन खोजबीन के बाद बालक को दस्तयाब कर वापस लाया गया और उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ पर बालक ने बताया कि उसे रायपुर घुमना था किन्तु परिजन मना करते थे इसलिए बिना बताए रायपुर के लिए निकला था। वहीं दूसरे मामले में गुम 22 वर्षीय युवती को थाना सूरजपुर पुलिस ने दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे व उनकी टीम सक्रिय रही।

जमीन विवाद में उत्तर प्रदेश के दबंगों ने छत्तीसगढ़ के किसानों पर किया बर्बर हमला, कई घायल

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के सनवाल थाना क्षेत्र अंतर्गत तालकेश्वरपुर गांव में गंभीर मारपीट की घटना सामने आई है। यहां जमीन कब्जाने की नियत से उत्तर प्रदेश के कुछ दबंगों ने स्थानीय किसानों पर लाठी-डंडा और कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया। इस हमले में चार से पांच किसान गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रामानुजगंज और वाड्रफ्नगर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर भी किया गया है। जानकारी के मुताबिक, करीब 20 से 25 लोग हथियारबंद होकर अचानक किसानों पर टूट पड़े। इस हिंसक संघर्ष ने इलाके में खलबली मचा दी। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सनवाल थाना प्रभारी गजपति मिरे ने बताया कि मामले की शिकायत मिली है और दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ है, जिसमें कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है और दोषियों के खिलाफउचित कार्रवाई करेगी। यह घटना जमीन से जुड़े विवादों में बढ़ती हिंसा और बाहरी दबंगों द्वारा स्थानीय किसानों को धमकाने की गंभीर समस्या को उजागर करती है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस की सतर्कता आवश्यक हो गई है।

नगर पंचायत शिवनंदनपुर के आम निर्वाचन के लिए वार्डों का आरक्षण संपन्न

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ नगरपालिका निर्वाचन नियम 1994 के नियम 22 के तहत नगर पंचायत शिवनंदनपुर, जिला सूरजपुर के पार्षद पदों हेतु वार्डों का आरक्षण आज कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। यह आरक्षण प्रक्रिया विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, अपर कलेक्टर सूरजपुर, एसडीएम सूरजपुर सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस आरक्षण की प्रक्रिया लाटरी पद्धति से निर्धारित की गई। इस आरक्षण के अनुसार अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए वार्ड क्रमांक 06 (शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड), अनुसूचित जनजाति (महिला) के लिए वार्ड क्रमांक 05 (महाराणा प्रताप वार्ड) आरक्षित किया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से कोरिया जिले के किसानों को मिला दावा भुगतान

कोरिया बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मौसम रबी वर्ष 2024-25 में पात्र किसानों को दावा राशि का भुगतान किया गया। यह राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण आधारित स्वचलित प्रणाली के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी गई।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, सलका में आयोजित कार्यक्रम में जिले के किसान वर्चुअल माध्यम से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संबोधन से जुड़े। उप संचालक कृषि, राजेश कुमार भारती ने बताया कि जिले के 122 बीमित किसानों को गेहूं एवं सरसों की फसल में हुए नुकसान के बाद कुल 2,11,465 रुपये का दावा भुगतान किया गया है। इनमें ग्राम आंजोखुर्द के किसान रामप्रताप को 22,943.70, रुपये मोहरलाल को 13,142.40 रुपये ग्राम तेंदुआ के सुनील कुमार को 7,640.50 रुपये ग्राम जमगहना के सज्जन सिंह को 6,269.63 रुपये और समऊ सिंह को 4,982.44 रुपये की राशि दी गई। इसके अलावा, ग्राम जमगहना के धर्मजीत, कसरा के कुंज बिहारी जायसवाल, ललित कुमार साहू, रामचन्द्र, रामटहल सहित अन्य किसानों को भी दावा भुगतान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि राजेश कुमार भारती, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी-बैकुण्ठपुर श्रीमती वंदना सिंह श्याम, कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी- कर्मचारी, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

दो दिन से 35 हाथियों का आतंक, वन विभाग की सतर्क निगरानी में झुंड जंगल की ओर मोड़ा गया

बलरामपुर। जिले के राजपुर वन परिक्षेत्र में बीते दो दिनों से हाथियों के झुंड ने लोगों की नींद उड़ा दी है। करीब 35 हाथियों का यह बड़ा दल, जिसमें 4 छोटे शावक भी शामिल हैं, जंगल और सड़क किनारे लगातार घूमते देखा गया। हाथियों की मौजूदगी ने नेशनल हाईवे-343 (ह॥-343) के आसपास के गांवों और राहगीरों के बीच दहशत का माहौल पैदा कर दिया।

वन विभाग ने जानकारी दी कि हाथियों को राजमार्ग से दूर ले जाने के लिए वनकर्मियों ने लगातार प्रयास किए। हालांकि, झुंड की संख्या और उनका आक्रामक व्यवहार इस कार्य को चुनौतीपूर्ण बना रहा था। कड़ी मशक्कत के बाद विभाग की टीम हाथियों को दुप्पी गांव के जंगल की ओर ले जाने में सफ्ल रही है, जहां फ्लिहाल पूरा झुंड मौजूद है।

राजपुर वन क्षेत्र के रेंजर महाजन साहू ने बताया कि अब तक किसी भी तरह की जनहानि या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है। लेकिन इतने बड़े झुंड की उपस्थिति को देखते हुए इलाके में पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों से अपील की है कि वे हाथियों के पास न जाएं और उन्हें छेड़ने या उकसाने जैसी कोई भी कोशिश न करें। साथ ही वन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। विभाग की टीम लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है और लोगों को सुरक्षा के उपायों के प्रति जागरूक कर रही है।

वन विभाग की इस सतर्कता से फ्लिहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन झुंड की गतिविधियों पर नजर बनाए रखने के निर्देश जारी हैं।

वर्षा नहीं होने से किसानों के माथे पर चिंताकी लकीरे

रायपुर। मानसून के स्थिर हो जाने के कारण इस समय रायपुर संभाग के अलावा जिले में रोपाई तथा निंदाई का कार्य प्रभावित हो रहा है। इस समय किसान वर्षा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार आरंग, अभनपुर धरसीवा तथा बलौदाबाजार एवं भाटापारा जिले में इस समय वर्षा के साथ ही किसी का कार्य तेजी से शुरू हुआ बोवाई के पश्चात अब निंदाई का काम कई जगहों पर हो गया है। लेकिन रोपाई एवं निंदाई का काम नहीं हो पा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार सावन के पश्चात भादों लग जाएगा इसके बाद ही वर्षा होने की संभावना है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार रायपुर में कुल 65 हजार हेक्टेयर में कृषि कार्य होता है। लेकिन अब यहां पर पानी की सख्त आवश्यकता है। पानी नहीं गिरने के कारण किसानों के माथे पर चिंता की लकीरे दिखाई देने लगी है। जहां एक ओर खाद की कमी है खाद की कमी होने के कारण किसान क्षेत्र का चक्कर काट रहे है वहीं निजी क्षेत्रों में खाद के लिए किसान इधर से उधर भटक रहे हैं। इस समय कोई प्रभावशाली सिस्टम नहीं है सिंचित क्षेत्र में धान की अच्छी पैदावार संभव है। इस धमतरी और गरियाबंद प्रमुख है।

स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन 14 को

रायपुर। जिला प्रशासन औ खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आगामी 14 अगस्त को स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह दौड़ सुबह 7.30 बजे शुरू होगा। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि इस साल स्वतंत्रता दौड़ स्थानीय गांधी चौक मैदान (सिटी कोतवाली) से शुरू होकर गोलबाजार, घड़ी चौक, भगवती लॉज, देवश्री टॉकिज रोड, शिव चौक, सेंचुरी गार्डन से होते हुए गांधी चौक में समाप्त होगी। दौड़ में गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यालय, महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी, खेल संघ के पदाधिकारी, प्रेस प्रतिनिधियों आदि को उपस्थित होने की अपील की गई है।

मतदाता सूची को लेकर सियासी पारा चढ़ा

रायपुर। मतदाता सूची को लेकर इस समय सियासी घमासान मचा हुआ है। पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा ने आरोप लगा है कि चुनाव आयोग अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। आयोग की ई-मतदाता डाटा और चुनावी प्रक्रिया के सीसी फूटेज सार्वजनिक करना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राहुल गांधी के सवालों का जवाब निर्वाचन आयोग को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच से पता चला है कि एक लाख से अधिक वोटों की धांधली हुई है।

साव का आरोप प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राहुल गांधी को अपने आरोपों का सबुत आयोग को देना चाहिए। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने कहा कि कांग्रेस राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रह गई है। इसके हैण्डलर से खतरनाक स्थिति निर्मित हो गई है।

18 एकड़ में लीची, आम और सब्जी की खेती से बदलेगी आदिवासी किसानों की किस्मत

कोरिया। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड का ग्राम गोलाघाट जहां चारों ओर पहाड़ और घने जंगल हैं। आधुनिक बागवानी और सब्ज़ी उत्पादन का चमकता उदाहरण बन रहा है। कभी परंपरागत खेती पर निर्भर रहने वाले यहां के आदिवासी किसान अब 18 एकड़ में लीची, आम और विभिन्न सब्ज़ियों की खेती कर रहे हैं, जिससे उनकी आय और आत्मविश्वास दोनों बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप और कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी की पहल पर, वनाधिकार पट्टाधारी किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए उद्यानिकी विभाग ने ठोस योजना बनाई। गांव के सात किसानों पावेरूस मिंज, जयप्रकाश, बीरबल, सन्तोष, विजय, विश्वास और मनोहर ने इस योजना के तहत बागवानी का रास्ता अपनाया। जिला उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक श्री विनय त्रिपाठी ने बताया कि पश्चिम बंगाल की 'साही' प्रजाति की 1600 से अधिक लीची पौधों को 7-7 मीटर की दूरी पर लगाया गया है। पौधों के बीच बरबट्टी, लौकी, टमाटर, करेला, खीरा और तोरई जैसी सब्ज़ियां उगाई जा रही हैं। खेतों की चारदीवारी में चौसा, दशहरी और लंगड़ा किस्म के 300 से अधिक आम के पौधे भी रोपे गए हैं। पूरी बागवानी को ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग, बोरिंग और फेंसिंग जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, तीन साल में लीची का उत्पादन शुरू हो जाएगा, और यह उन्नत किस्म लंबे समय तक फल देती रहेगी। आम और सब्ज़ियों से तुरंत आय भी शुरू हो गई है। किसानों ने कहा कि इस पहल से वे अब केवल धान पर निर्भर नहीं रहेंगे। पावेरूस मिंज के शब्दों में 'इन फसलों से धान से भी अधिक मुनाफा मिलेगा। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि जिले में फल, फूल, दलहन, तिलहन, सब्ज़ी और शहद उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। गोलाघाट की प्राकृतिक सुंदरता और किसानों की लगन अन्य क्षेत्रों के किसानों को भी प्रेरित करेगी।

पुलिस के लिए जनता के मन में सम्मान और अपराधियों में भय होना चाहिए:उपमुख्यमंत्री

कोरिया बैकुंठपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने सरगुजा कोर्डिनेशन सेंटर में सरगुजा रेंज अंतर्गत सभी पुलिस अधीक्षकों की उच्चस्तरीय बैठक ली। बैठक में उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और पुलिस तंत्र को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक में श्री शर्मा ने स्पष्ट कहा कि कानून का राज स्थापित करना और अपराधियों के मन में भय पैदा करना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। गंभीर अपराधों के मामलों में दोष सिद्धि की दर बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने सभी जिलों में मामलों की नियमित और वैज्ञानिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिस अधीक्षक न केवल अपने कार्यालय में आने वाले लोगों से समय पर मिलें, बल्कि अधीनस्थ पुलिसकर्मियों से भी संवाद कर उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझें। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों से कहा कि जिले के कॉलेज और स्कूलों का महीने में एक बार भ्रमण अवश्य करें और थानों में अनुशासन के लिए एसपी-एसएसपी और डीएसपी प्रत्येक सप्ताह परेड भी कराए। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह मनोज पिंगुवा, आईजी पीएचक्यू अजय यादव, आईजी सरगुजा दीपक झा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अलावा सरगुजा रेंज के बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, और सरगुजा जिले के पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में मानव तस्करी, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, अवैध हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई पर जोर दिया गया। एनडीपीएस एक्ट के मामलों में एंड-टू-एंड इन्वेस्टिगेशन सुनिश्चित करने और दोषियों को कठोर सजा दिलाने की बात कही गई। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने, चिटफंड कंपनियों के मामलों की गंभीरता से जांच करने और निवेशकों को धनवापसी की कार्यवाही तेज करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट की पहचान कर सुधारात्मक कदम उठाने, यातायात प्रबंधन को मजबूत बनाने और ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात व्यवस्था में सुधार केवल पुलिस का नहीं बल्कि प्रशासन और समाज का साझा दायित्व है। उन्होंने सभी स्कूलों और कॉलेजों में ड्रग-फ्री कैंपस अभियान चलाने, छात्रों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने और सामुदायिक पुलिसिंग के जरिए जनता और पुलिस के बीच भरोसे का रिश्ता मजबूत करने की आवश्यकता बताई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए विशेष प्रशिक्षण, बीट प्रणाली की नियमित समीक्षा और 'लेखकन ऐप' के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने निर्देश दिया कि ग्राम सभाओं और जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को पुलिस से जोड़ा जाए, ताकि लोग पुलिस को अपना मित्र और संरक्षक मानें। बैठक के अंत में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दो टूक कहा कि पुलिस की कार्यवाही ऐसी होनी चाहिए कि अपराधी कानून से डरें और आम जनता को भरोसा हो कि कानून-व्यवस्था उनकी सुरक्षा के लिए है। उन्होंने कहा जनता के मन में सम्मान और अपराधियों के मन में भय होना चाहिए, यही हमारी पुलिस व्यवस्था की असली सफलता है।

कुसमुंडा माइंस में हावी डीजल चोर, खौफ में प्रबंधन

अब धमकी देने पर उतरा गिरोह

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के कुसमुंडा क्षेत्र में लंबे अंतराल तक शांति रही और अब फिर से चोर उचक्को की गतिविधियां शुरू हो गई है। प्रबंधन इस गिरोह से खौफ खा रहा है और उसके बारे में रिपोर्ट लिखने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है । डीजल चोर गिरोह प्रमुख नवीन कश्यप पर पुलिस ने इनाम भी घोषित किया है। नई खबर यह है कि अब चोर सिंडिकेट के द्वारा पत्रकारों को धमकी दी जा रही है। याद रखना होगा कि कुछ साल पहले तक संपूर्ण कोरबा जिले के साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के इलाके में डीजल से लेकर कोयला और स्क्रैप की चोरी बड़े पैमाने पर होती रही। उस समय इस बात का हल्ला रहा की इस तरह की गतिविधियों के लिए ऊपर से कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है और इसलिए इस पर अंकुश का कोई सवाल ही नहीं । एक तरह से संगठित अपराध था जिसने कोरबा जिले में जमकर सुर्खियां बटोरी। छत्तीसगढ़ में भाजपा नेतृत्व की नई सरकार आने के बाद इस पर मां केवल लगाम लगी बल्कि ऐसे ठिकानों पर सील की गई।

जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से कुसमुंडा कोल माइंस में डीजल चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। दावा किया जा रहा है कि भीतर ही भीतर डीजल की खपत भी हो जा रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि कोयला प्रबंधन अपने यहां सुरक्षा गतिविधियों को उपभोक्ता बनाने के लिए अर्धसैनिक बल और विभागीय सुरक्षा बल की सेवाएं प्राप्त कर रहा है । वेतन और अन्य सुविधाओं के नाम पर हर महीने बड़ी राशि खर्च की जा रही है । और इतना सब कुछ होने पर भी खदानों से डीजल की चोरी बड़े पैमाने पर हो रही है। यह बात अलग है कि कुछ मामले सुरक्षा बल की जानकारी में आए हैं और फिर इसे आगे बढ़ाया गया है। एसईसीएल कुसमुंडा में एक प्रकार से बड़ा खेल है। इसके प्रमुख कर्ताधर्ता में नवीन कश्यप का नाम लिया जा रहा है जो फरार है और उस पर पुलिस ने इनाम घोषित किया है। जानकारी मिली है कि लगातार इस प्रकार के मामले मीडिया में आने पर चोर गिरोह की ओर से धमकी देकर देख लेने की बात की जा रही है। कहा जा रहा है कि सब कुछ बेहतर तरीके से किया जा रहा है तो आप लोग बीच में इंटरफेयर क्यों कर रहे हो और इससे कुछ होना नहीं है। ध्यान देने वाली बात यह है कि डीजल की चोरी और कुसमुंडा खदान के भीतर से हो रही है और वहां पर निगरानी के लिए अच्छे प्रबंध भी हैं तो आखिर आशीर्वाद कहां से मिला हुआ है।

कई बार हो चुके हैं हमले

कोरबा जिले में कोल इंडिया की मेगा माइंस संचालित हो रही है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सांसद कोल इंडिया को कोरबा जिले से बहुत सारी उम्मीदें हैं समय के साथ लगातार उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। केवल इसी इरादे से कोल माइंस की सभी जरूरत को पूरा करने के लिए इक्विपमेंट के अलावा फंड और मैनपॉवर उपलब्ध कराया जा रहा है। याद रखना होगा कि विभिन्न खनन क्षेत्र में बीते समय में संगठित चोर गिरोह के द्वारा अपने कारनामे को अंजाम देने के लिए हर स्तर पर जोखिम उठाई गई। किसी भी तरह से रोक-टोक करने पर लाठी डंडा और हथियार से हमले भी कर दिए गए।। इन घटनाओं में सुरक्षा कर्मियों के अलावा अन्य कर्मचारी घायल हुए। इनकी रिपोर्ट अलग-अलग पुलिस थानों में दर्ज भी है। अपराधिक तत्वों की हरकतों पर लगाम नहीं लगने के कारण कर्मचारियों को अपनी जिंदगी की चिंता है। इसलिए वह बहुत ज्यादा सक्रियता दिखाने के मूड में नहीं है।

हार्डवेयर दुकान में सेंध, ब्लोअर का साफ्टवेयर किया पार

कोरबा। पिछली रात्रि हरदी बाजार में चोरों ने हार्डवेयर दुकान में नगदी समेत ब्लोअर मशीन का सॉफ्टवेयर पार कर दिया। सीसीटीवी कैमरे में दो चोरों की तस्वीर कैद हुई है। एक दिन पहले ऐसे ही घटना बाकी मोगरा क्षेत्र में हुई थी।हरदी बाजार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुख्य मार्ग पर लेखराज राठौर की हार्डवेयर दुकान संचालित है। जानकारी मिली कि पिछली रात्रि 12.05 पर चेहरे पर नकाब लगाए दो चोर यहां पहुंचे। उन्होंने दुकान में सेंध लगाई। फिर भीतर प्रवेश करने के साथ कैश काउंटर में रखें लगभग डेढ़ हजार रुपए नगद, ब्लोअर मशीन का सॉफ्टवेयर और दूसरे सामान पार कर दिए। चोरों की तस्वीर मौके पर निगरानी के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। आज सुबह दुकान संचालक किस बारे में जानकारी हुई जिस पर उसने स्थानीय पुलिस का अवगत कराया। सीसीटीवी फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। याद रहे एक दिन पहले ही ब्लोअर मशीन की चोरी बाकीमोंगरा में एक हार्डवेयर दुकान से की गई थी। इससे अनुमान है कि कोई संगठित गिरोह इस कामकाज में शामिल है।

यहां होगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती

कोरबा। एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा (ग्रामीण) अंतर्गत ग्राम पंचायत चाकामार के आंगनबाड़ी केन्द्र चाकामार 03 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पद की पूर्ति हेतु इच्छुक आवेदिकाओं से 13 अगस्त 2025 से 27 अगस्त 2025 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा (ग्रामीण) से संपर्क किया जा सकता है।

आधे लाइट चोर ले गए, जो बचे हैं वे जलते नहीं

गोकुल नगर खरमोरा कॉलोनी में समस्याएं

कोरबा। शहरी क्षेत्र में आवासीय कॉलोनीयों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। बुनियादी सुविधाओं को लेकर लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है लेकिन परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं आ रहे। पूर्ववर्ती गोकुल नगर स्थित हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी को नगर निगम के द्वारा हैंड ओवर कर लिया गया है। इसके बावजूद स्ट्रीट लाइट के अलावा दूसरी समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हो सका है।

कॉलोनी में रहने वाले नागरिकों ने बताया कि रात्रि में यह पूरा इलाका अंधकार में डूबा रहता है कारण यह है कि कुछ समय पहले स्ट्रीट लाइट के आधे हिस्से को चोरों ने पार कर दिया । अब जो संख्या बची है ,उसमें तकनीकी फाल्ट है और इसलिए रात्रि में जब इनकी जरूरत होती है तो जलते नहीं। इसके चलते रात्रि कालीन आवागमन करना काफी मुश्किल भरा साबित हो रहा है। बताया गया कि वैसे ही औद्योगिक क्षेत्र में आए दिन तमाशा हो रहे हैं। इस वजह से भी यहां खतरे बने हुए हैं। आदर्श स्थिति को बहाल करने के लिए खासतौर पर रात्रि में समुचित प्रकाश व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही है लेकिन इसकी कमी यहां पर लंबे समय से बनी हुई है। नागरिक संगठन की ओर से बनाया गया कि क्षेत्र में पक्की सड़क जरूर है लेकिन यह भी आधे हिस्से में ही सिमट गई है। बाकी बचे इससे में जरूर की पूर्ति के लिए कई बार नगर निगम के साथ ही प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन इसकी पूर्ति करने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता नहीं समझी गई। नागरिकों का कहना है कि जनता से लिए जाने वाले टैक्स के मामले में सिस्टम से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी तारीख को बाकायदा याद रखते हैं लेकिन सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर उनकी गंभीरता गुम हो जाती है। उन्होंने कहा कि यहां की समस्याओं के समाधान के लिए जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ-साथ नगरीय प्रशासन मंत्री के पास पत्राचार किया जाएगा ताकि कुछ तो राहत मिले।

कई हिस्सों में है इस तरह की समस्याएं

जानकारी मिली है कि रात्रि में स्ट्रीट लाइट के प्रकाश नहीं देने से संबंधित समस्याएं कोरबा नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों में बनी हुई है। इसके पीछे उसे व्यवस्था को सबसे बड़ा जिम्मेदार बताया जा रहा है जहां पर ऐसे कार्यों को ठेके पर दिया गया है। जानकारी मिली है कि कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों में लगातार निगरानी करने के साथ पर्याप्त मैनपॉवर को रखा जाना है ताकि परेशानी होने पर कम समय में निराकरण किया जा सके। जानकारों का कहना है कि इस प्रकार के कार्यों का ठेका लेने वाले ज्यादा कमाई के चक्कर में ना तो स्टाफ रखते हैं और ना ही लोगों की शिकायत पर ध्यान देना जरूरी समझते हैं। इसलिए समस्याओं का दायरा कम होने के बजाय बढ़ता जा रहा है।

हादसे का डर,सड़क किनारे खड़े कई ट्रेलर पर कारवाई

कोरबा। सड़क दुर्घटना के ग्राफ को बढ़ाते हुए देखकर विभिन्न क्षेत्रों में ट्रैफिक पुलिस ने अभियान को संचालित करने के साथ कार्रवाई तेज कर रखी है। सड़क के किनारे असुरक्षित रूप से खड़े वाहनों को लॉक किया गया और पेनाल्टी भी लगाई गई। आगे भी इस तरह की कार्रवाई करने की बात की गई है।

ट्रैफिक पुलिस में मोटरसाइकिल एक्ट की धारा 117/177 के अंतर्गत अनेक ट्रेलर गाड़ियों को निशाने पर लिया और पेनाल्टी की। मेजर ध्यानचंद चौराहा रुमगारा और सर्वमंगला चौराहे के आसपास सड़क के किनारे इस कार्रवाई को किया गया। ट्रेलर गाड़ियों को उनके ड्राइवर ने यहां पर असुरक्षित रूप से मौके पर खड़ा कर दिया था। जबकि यह व्यस्त क्षेत्र है और ऐसी स्थिति में दुर्घटना की आशंका मजबूत रहती है। विभिन्न क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं के पीछे ऐसे फैक्टर सामने आ चुके हैं। ऐसे मामलों में आवागमन करने वाले लोगों को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। पिछले कुछ महीना में हुए रोड एक्सीडेंट की समीक्षा करने के साथ ट्रैफिक पुलिस ने इस दिशा में ध्यान दिया और अभियान को हाथ में लिया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में ट्रैफिक डीएसपी डीके सिंह और निरीक्षक तेज सिंह यादव के मार्गदर्शन में एएसआई मनोज राठौर, रामनारायण रात्रे व मैदानी अमले के द्वारा कार्रवाई की गई। बताया गया कि इस कड़ी में अनेक ट्रेलर वाहनों को लॉक किया गया। नियम विरुद्ध पार्किंग के लिए कार्रवाई हुई। पुलिस ने कहा की मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधान के अंतर्गत शहरी और अन्य क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करने के लिए इस प्रकार के कदम लगातार उठाए जाते रहेंगे। पुलिस का यह भी कहना है कि वर्ष 2024 में हुए सड़क हादसों और उनमें नुकसान के अनुपात में इस वर्ष अब तक की घटनाओं में काफी कमी आई है और कैजुअल्टी भी कम हुई है। इन सबसे अलग हटकर पुलिस का प्रयास इस बात को लेकर है कि शून्य दुर्घटना लक्ष्य के साथ एक सुरक्षित आवागमन को बहाल करने के लिए काम करें। जब ऐसा होगा तो निश्चित रूप से आदर्श स्थिति बनेगी और लोगों को सड़क पर चलने के मामले में अपनी संपूर्ण जिम्मेदारी का भली भांति एहसास भी होगा।

भू विस्थापित घेरेंगे कटघोरा एसडीएम कार्यालय

कोरबा। छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू विस्थापित रोजगार एकता संघ ने बरसों पुराने भूमि अधिग्रहण के बदले लंबित रोजगार प्रकरण,मुआवजा, पूर्व में अधिग्रहित जमीन वापसी, प्रभावित गांव के बेरोजगारों को खदान में काम देने,पुनर्वास गांव में बसे भू विस्थापितों को काबिज भूमि का पट्टा देने के साथ 9 सूत्रीय मांगो को लेकर 13 अगस्त को कटघोरा एसडीएम कार्याल घेराव की घोषणा की है। जिला प्रशासन और एसईसीएल के आश्वासन से थके भूविस्थापितों ने किसान सभा के नेतृत्व में अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है। आंदोलन को सफल बनाने की तैयारी को लेकर गांव गांव में बैठक आयोजित की जा रही है।

स्वाधीनता का संदेश देने तुमान से निकाली बाइक रैली

कोरबा। भारत के स्वाधीनता दिवस की 78वीं वर्षगांठ 15 अगस्त को धूमधाम से मनाई जाएगी। इससे पहले स्वाधीनता के उपलक्ष में कई प्रकार के आयोजन कोरबा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में मंगलवार को पौड़ी उपरोड़ा के तुमान गांव से बाइक रैली निकाली गई। जनप्रतिनिधि और नागरिक इस रैली में शामिल हुए। उनके साथ बैनर पोस्टर मौजूद थे जिनके माध्यम से स्वाधीनता और नागरिकों के अधिकार व कर्तव्य पर फोकस किया गया।

भारत माता के जय घोष सभी रास्तों पर घूमते रहे जहां से रैली गूजरी। रैली में शामिल सभी लोग देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहे। उन्होंने अपने साथ कुछ स्टीकर भी रखे थे जिनका वितरण क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को किया गया। यात्रा के मार्ग पर कई जगह ग्रामीणों के द्वारा स्वाधीनता रैली का स्वागत किया गया। विकासखंड मुख्यालय पौड़ी पहुंचकर रैली का समापन हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में स्वाधीनता की जानकारी सभी को होना जरूरी है लेकिन इस बात पर भी हमें ध्यान देना है कि समय के साथ-साथ गुलामी वाली मानसिकता से बाहर निकले। वास्तविक अर्थों में हमें यह जानने की आवश्यकता है कि स्वाधीनता के संग्राम में बहुसंख्यक लोगों ने हिस्सा लिया था और उनकी सक्रिय भूमिका के कारण, उनके सर्वस्व बलिदान के कारण आजादी प्राप्त हुई। ऐसी सभी ज्ञात अज्ञात वीर जवानों का स्मरण करना समसामयिक दौर में जरूरी हो जाता है। वक्ताओं ने कहा की मातृभूमि की रक्षा करने के लिए जितने लोगों ने उसे समय अपना सब कुछ न्योछावर किया, वह हमारे आदर्श होने ही चाहिए।

कटघोरा में आज झंडा रैली

कटघोरा। स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष में आज शाम नगर में झंडा रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों के अलावा स्थानीय नागरिक शामिल होंगे। बताया गया कि रैली के माध्यम से नागरिकों के द्वारा अपने राष्ट्रीय सरोकार का प्रदर्शन किया जाएगा। रैली के लिए रूट सुनिश्चित किया गया है। नगर निरीक्षक धर्म नारायण तिवारी ने बताया कि सामाजिक संगठनों के द्वारा इस अवसर पर अपनी भूमिका निभाई जानी है। इसके अतिरिक्त स्वाधीनता दिवस के मुख्य समारोह के लिए स्थानीय स्तर पर आयोजन की तैयारी जोरों पर है। इसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम संपन्न किए जाने हैं। बताया गया कि स्वाधीनता दिवस के मुख्य समारोह में प्रतिभाओं को अपनी दक्षता दिखाने का अवसर प्राप्त होगा। कटघोरा के साथ ही आसपास के क्षेत्र में भी स्वाधीनता रैली के अलावा स्वाधीनता मैराथन का आयोजन किया जा रहा है।

दो स्थानों पर होगी साधना शिविर

कोरबा। सिद्धाश्रम साधक परिवार द्वारा दो अलग-अलग स्थानों पर साधना शिविर की तैयारी की जा रही है। बिलासपुर में 15 अगस्त को साधना शिविर आयोजित है। छट घाट में आयोजित इस साधना शिविर में गुरूदेव अरविंद श्रीमाली विशेष दीक्षा के साथ गुरू दीक्षा प्रदान करेंगे। कोरबा जिले के साधक सीयाराम बरेठ के नेतृत्व में बिलासपुर जाने की तैयारी कर रहे हैं। सक्ती में भी 16 व 17 अगस्त को साधना शिविर आयोजित है। जिसमें गुरूदेव कैलाश चंद्र श्री माली गुरू दीक्षा प्रदान करेंगे। शासकीय कॉलेज के निकट आयोजित इस साधना शिविर को सफल बनाने के लिए लता अग्रवाल, धानी बरेठ द्वारा तैयारी की जा रही है। कोरबा से भी राजू महंत, घनश्याम साहू के नेतृत्व में साधक शामिल होंगे।

अमृत व चंद्रा बने जेसीसी सदस्य

कोरबा। एसकेएमएस गेवरा केन्द्रीय कर्मशाला के कार्यकर्ताओं की बैठक पिछले दिनों एरिया अध्यक्ष एलपी अघरिया व दीपक उपाध्याय द्वारा ली गई। जिसमें नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए अमृत साहू को अध्यक्ष व एलपी चंद्रा को सचिव बनाया गया था। इन दोनों को अब केन्द्रीय कर्मशाला में जेसीसी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा लखन सिंह वेलफेयर कमेटी व ज्ञापन प्रकाश दिवेदी सेफ्टी सदस्य बने हैं। गेवरा में अमृत व चंद्रा बने जेसीसी सदस्य।

बिजली चोरी करने पर लगा अर्थदंड

कोरबा। विद्युत विभाग की ओर से अधिवक्ता दीपक बजाज की प्रभावशाली पैरवी के चलते, विशेष न्यायाधीश (विद्युत अधिनियम) एस. शर्मा की अदालत ने बिजली चोरी के मामले में आरोपी अश्वनी कुमार शर्मा को दोषी करार देते हुए ?88,500 का अर्थदंड लगाया है। डिफॉल्ट की स्थिति में आरोपी को दो माह का साधारण कारावास भुगतना होगा। मामला 28 सितंबर 2018 का है, जब विद्युत निरीक्षक आर.के. पटेल के नेतृत्व में विशेष टीम ने साईं श्याम कुंज, साईं इंकेलेव, कोरबा में छापेमारी की। जांच में पाया गया कि आरोपी बिना मीटर सीधे एलटी लाइन से 2758 वॉट लोड की बिजली का उपयोग कर रहा था। इससे विभाग को 73,764 का नुकसान हुआ।प्रावधानों के तहत 29,500 के वित्तीय लाभ की गणना की गई, जिसे तीन गुना कर 88,500 का अर्थदंड तय किया गया।

हाथी पहुंचा रहे फसल को नुकसान, ग्रामीणों में आक्रोश

कोरबा। जिले के कटघोरा एवं कोरबा वन मंडल में बड़ी संख्या में मौजूद जंगली हाथी ग्रामीण किसानों के धान फसल को लगातार नुकसान पहुंचा रहे है। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। वन विभाग द्वारा हाथियों के उत्पात पर रोकने के लिए अपनी ओर से भरपूर प्रयास किया जा रहा है। लेकिन उसमें सफलता नही मिल पा रही है। फलस्वरूप वन्य क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण किया नुकसानी सहने को मजबूर है। जानकारी के अनुसार कटघोरा वन मंडल के एतमा नगर रेंज में सर्वाधिक 46 हाथी सक्रिय है। जो दो झुंडो में बंट कर लगातार ग्रामीणों के खेतो में पहुंच जा रहा रहे है। और वहां लगे धान के पौधो को उत्पात मचाकर रौंदने के साथ तहस नहस कर दे रहे है। यह सिलसिला काफी दिनों से चल रहा है। जिससे ग्रामीण हलाकान है। इसी तरह जटगा में 8 तथा केंदई में 28 हाथी सक्रिय है। जिनके द्वारा लगातार फसलो को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस बीच जीपीएम जिले के मारवाही क्षेत्र से धमके दो दंतैल हाथी पसान रेंज के जंगलो में विचरण करने तथा बरदा पखना व अन्य गांव में उत्पात मचसने के बाद अब केंदई के जंगल पहुंच गए है। उत्पाती दंतैल हाथियों के क्षेत्र में पहुंचने से जहां ग्रामीणों में हड़कप मच गया है। वहीं वन विभाग की परेशानी बढ़ गई है। क्योंकि उसे विशेष सतकर्ता बरतने पड़ रही है। दंतैल हाथी कभी भी आबादी वाले क्षेत्र में पहुंच जाते है। और घरों को निशाना बनाने के साथ उसे ध्वस्त भी देते है। इसलिए दंतैल हाथियों के उत्पात को रोकना वन विभाग के लिए चुतौती बन रहा है। इधर कोरबा वन मंडल के कुदमुरा क्षेत्र में विचरण रत 7 हाथियों का समूह अब चचिया से आगे बढ़कर कुदमुरा जंगल पहुंच गया है। गजदल ने यहां के कक्ष क्रमांक 1139 में पहुंचने से पूर्व रास्ते में कई ग्रामीणों को खेतो में धान फसल को रौंद दिया है। पीड़ित ग्रामीणो द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर नुकसानी के आकलन जुट गए है।

किशोरी को झांसा देकर दुष्कर्म, आरोपी गया जेल

कोरबा । जिले के ऊरगा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत नाबालिक से दुष्कर्म की घटना के सिलसिले में नरेंद्र कुमार सर्वंश रिंकू को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप है कि नरेन्द्र ने 15 वर्षीय किशोरी को अपने जाल में फसाया और फिर उसे विवाह करने का झांसा देकर आनाचार की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता ने अपने परिजनों को इस बारे में जानकारी दी जिसके बाद पुलिस को अवगत कराया गया। कनबेरी गांव में रहने वाले आरोपी को इस प्रकरण में गिरफ्तार करने के साथ जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पास्को एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की गई। महिलाओं से संबंधित संवेदनशिल मामलों में त्वरित कार्यवाही के निर्देश सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए हैं। पुलिस को इनका परिपालन तत्परता के साथ करने को कहा गया है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com